mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-331 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
02 दिसंबर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

थरूर कांग्रेस की स्ट्रेटेजिक मीटिंग में फिर नहीं पहुंचे

कहा- 90 साल की मां के साथ हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर और MP शशि थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस के स्ट्रेटेजिक ग्रुप की एक जरूरी मीटिंग अटेंड नहीं की। 30 नवंबर को पार्लियामेंट के विंटर सेशन को लेकर सोनिया गांधी की लीडरशिप में बैठक हुई। हालांकि थरूर के ऑफिस ने बताया कि वह केरल में अपनी 90 साल की मां के साथ हैं। यह दूसरा मौका है जब थरूर पार्टी की किसी मीटिंग में नहीं पहुंचे। इससे पहले खराब सेहत का हवाला देकर SIR मुद्दे पर बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी वे नहीं पहुंचे थे। उस दौरान वे पीएम मोदी के इवेंट में शामिल हुए थे, जिसे लेकर बवाल मचा था।

संजौली मस्जिद मामला, रिट याचिका वापस ली

आयुक्त ने गिराने के दे रखे हैं आदेश

शिमला, एजेंसी। हिमाचल हाईकोर्ट में आज संजौली मस्जिद गिराने के आदेशों को चुनौती देने वाली रिट याचिका की मेंटेनेबिलिटी पर सुनवाई हुई। मगर वक्फ बोर्ड ने अपनी याचिका वापस ले ली है। अब उसने नए सिरे से याचिका दायर करने की अनुमति मांगी। जस्टिस विवेक सिंह ठाकुर और जस्टिस रोमेश वर्मा की खंडपीठ ने इसकी मंजूरी दे दी है। इससे पहले, शिमला नगर निगम (MC) आयुक्त कोर्ट और जिला अदालत के मस्जिद के आदेश सुना दिए है। इन आदेशों को वक्फ बोर्ड ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। वक्फ बोर्ड की दलील है कि मस्जिद उनकी जमीन पर बनी है।

भारत-यूके सैन्य अभ्यास 'अजेय वॉरियर' सम्पन्न

यूएन शांति-प्रवर्तन मिशनों में मजबूत हुई साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन की सेनाओं के बीच आयोजित द्विवार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अजेय वॉरियर' का आठवां चरण राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। लगभग दो सप्ताह तक चले इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना और आतंकवाद-रोधी अभियानों में संयुक्त रूप से काम करने की क्षमता को मजबूत करना रहा।

संसद का शीतकालीन सत्र

पीएम मोदी बोले: सदन में ड्रामा नहीं, डिलीवरी चाहिए

- खड़गे ने कहा- धनखड़ को फेयरवेल नहीं मिला, इसका दुख; नड्डा बोले- डॉक्टर को तकलीफ बताइए

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया। सदन की कार्यवाही से पहले पीएम मोदी ने संसद के बाहर मीडिया से 10 मिनट बात की। उन्होंने कहा, विपक्ष हाल के चुनावों में पराजय की निराशा से बाहर निकले और सदन में मजबूत मुद्दे उठाए। अगर विपक्ष चाहे तो मैं उन्हें टिप्स देने के लिए तैयार हैं कि कैसे परफॉर्म किया जाए। पीएम ने कहा- यह सत्र पराजय की हताशा या विजय के अहंकार का मैदान नहीं बनना चाहिए। नई पीढ़ी के सदस्यों को अनुभव का लाभ मिलना चाहिए। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां जोर नीति पर होना चाहिए, नारों पर नहीं। पीएम ने इसके बाद राज्यसभा में नए सभापति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत किया और उनके अभिवादन में स्पीच दी। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति का अभिवादन किया। खड़गे ने इस दौरान पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा- मुझे इस बात का दुख है कि सदन को पूर्व सभापति को फेयरवेल देने का मौका नहीं मिला। खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पलटवार किया। नड्डा ने कहा- आपको बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र की हार ने काफी तकलीफ पहुंचाई है। आपको अपनी तकलीफ डॉक्टर को बताना चाहिए।

संसदीय समितियों को दो बिलों पर रिपोर्ट पेश करने के लिए और समय मिला : लोकसभा ने सोमवार को दो संसदीय समितियों को दिवाला कानून और जन विश्वास प्रावधान संशोधन बिल पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए और समय दिया। सदन ने दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए संसदीय समिति को शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन तक का समय दिया है।

यह बिल लोकसभा में पेश किए जाने के तुरंत बाद 12 अगस्त को समिति को भेज दिया गया था। यह बिल दिवाला कानून में संशोधन का प्रयास करता है, जिसमें कई संशोधनों का प्रस्ताव है, जिसमें वास्तविक व्यावसायिक विफलताओं, समूह और सीमा पार दिवालियेपन ढांचों को संबोधित करने के लिए एक अदालत के बाहर तंत्र शामिल है।

सीतारमण ने तंबाकू-पान मसाला पर सेस लगाने वाले दो बिल पेश किए

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में दो अहम बिल पेश किया। दोनों बिल उन उत्पादों पर नई कर व्यवस्था से जुड़े हैं, जिन पर अभी जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस लगता है- जैसे सिगरेट, तंबाकू और पान मसाला। इसके जरिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क एक्ट, 1944 में संशोधन कर सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद एक्साइज ड्यूटी के जरिए राजस्व संग्रह जारी रखा जाएगा। इसे केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 नाम दिया गया है। वित्त मंत्री ने स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक, 2025 भी पेश किया। नया सेस उन उत्पादों पर लगेगा जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा जोखिम माना जाता है। पान मसाला जैसे उत्पादों पर यह सेस लगाया जाएगा। तंबाकू और पान मसाला जैसी हानिकारक उत्पादों पर अभी 28% जीएसटी लगता है। क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद, तंबाकू और संबंधित उत्पादों की बिक्री पर 40% GST और उत्पाद शुल्क लगेगा, जबकि पान मसाला पर 40% GST और स्वास्थ्य सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सेस भी लगेगा। केंद्रीय उत्पाद शुल्क संशोधन बिल में सिगार/चुरूट/सिगरेट पर 5,000 रुपए से लेकर 1,000 स्टिक पर 11,000 रुपए तक उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा, इसमें कच्चा तंबाकू पर 60-70% और निकोटीन और सूंघने वाले उत्पादों पर 100% टैक्स लगाने का प्रस्ताव है। अभी सिगरेट पर कीमत के अनुसार 5% क्षतिपूर्ति सेस और 1,000 स्टिक पर 2,076-3,668 रुपए का सेस लगता है।

संसद परिसर में कुत्ता लेकर पहुंचीं कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी

भाजपा ने आपत्ति जताई

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी एक कुत्ता लेकर संसद परिसर में पहुंच गईं। इस घटना पर बीजेपी सांसदों ने कड़ा विरोध जताया है। रेणुका चौधरी से जब पूछा गया कि वे कुत्ते को संसद क्यों लाई हैं, तो उन्होंने कहा- सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं। इसमें क्या हर्ज है? उन्होंने कहा, ये छोटा और बिल्कुल नुकसान न पहुंचाने वाला जानवर है। काटने वाले और डसने वाले संसद में, कुत्ते नहीं। उनके इस कदम पर बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने नाराजगी जताई और कहा- रेणुका चौधरी कुत्ता लेकर संसद आईं, यह गलत है। उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। विशेषाधिकार का मतलब दुरुपयोग नहीं होता।

एसआईआर के मुद्दे पर भाजपा को घेरने की तैयारी

चुनावी मोड में धड़ाधड़ रैलियां कर रहीं ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में जारी एसआईआर का ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी द्वारा विरोध किया जा रहा है। हालांकि विरोध के बावजूद एसआईआर की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। ऐसे में अब ममता बनर्जी ने एसआईआर की धार को कुंद करने के लिए जनमत जुटाने का फैसला किया है। इसी के तहत ममता बनर्जी चुनावी मोड में लगातार रैलियां करने जा रही हैं। इस हफ्ते ममता बनर्जी मालदा और मुर्शिदाबाद में विशाल रैलियां करेंगी और फिर अगले हफ्ते कूच बिहार में एक बड़ी रैली को संबोधित कर केंद्र सरकार को घेरने की कोशिश करेंगी।

एसआईआर के मुद्दे पर भाजपा को घेरने की तैयारी : गौरतलब है कि इससे पहले ममता बनर्जी ने बीते हफ्ते बोनगांव में एसआईआर के खिलाफ रैली की थी। यह रैली मतुआ समुदाय के प्रभाव वाले इलाके में की गई, जो एसआईआर को लेकर डरे हुए हैं। रैली के दौरान ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि एसआईआर का इस्तेमाल परिवारों को डराने के लिए किया जा रहा है।

जनहित और अहम मुद्दों पर चर्चा के लिए सदन चलना जरूरी : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने जनहित सहित विभिन्न अहम मुद्दों पर चर्चा के लिए सदन का चलना आवश्यक है। मायावती ने सोमवार को एक्स पोस्ट में लिखा कि संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है। हर सत्र की तरह इस बार भी काफी हंगामेदार होने की संभावना व्यक्त की जा रही है लेकिन हमारी पार्टी चाहती है कि संसद के दोनों सत्र सुव्यवस्थित व शान्तिपूर्ण तरीक़े से संचालित हों, ताकि देश व जनहित के ज़रूरी और अहम मुद्दों पर चर्चा हो। ख़ासकर राजधानी दिल्ली आदि में वायु प्रदूषण के कारण आ रही भारी परेशानी तथा वोटर लिस्ट के सघन रिवीज़न अर्थात् एसआईआर को लेकर व्यावहारिक तौर पर हो रही परेशानियों एवं आपत्तियों पर चर्चा हो सके और इनका उचित समाधान निकलने की दिशा में सार्थक प्रयास हो सके।

पाकिस्तान की फ्रंटियर कॉर्प्स हेडक्वार्टर पर आत्मघाती हमला

मेन गेट उड़ा 6 लड़ाके अंदर घुसे थे, 3 हमलावरों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में रविवार देर रात नोककुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (FC) के हेडक्वार्टर पर सुसाइड अटैक हुआ। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, मेन गेट के पास एक सुसाइड बॉम्बर ने खुद को उड़ा लिया।

धमाका इतना जोरदार था कि गेट टूट गया। इसके बाद 6 हथियारबंद लड़ाके अंदर घुस आए। सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई शुरू की। भारी गोलीबारी के बाद 3 हमलावरों की मौत हो गई। वहीं, डॉन के ही कुछ सूत्रों ने

6 हमलावरों के मारे जाने का दावा किया है।

इस बीच, पंजगुर जिले के गुरमाकन इलाके में भी एक स्नष्ट चेकपोस्ट पर हमला हुआ। स्नष्ट के प्रवक्ता ने दावा किया कि दोनों अटैक बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) ने किया है।

उग्रवादियों ने क्वेटा और डेरा मुराद को निशाना बनाया था

कुछ घंटे पहले इसी इलाके में एक दिन में लगातार 7 धमाके हुए थे। संदिग्ध उग्रवादियों ने क्वेटा और डेरा मुराद जमाली में कई जगहों को निशाना बनाया। धमाकों में किसी की मौत नहीं हुई। शनिवार को क्वेटा में पुलिस चेकपोस्ट पर हैंड ग्रेनेड से हमला किया गया। इसके बाद एंटी-टेररिज्म डिपार्टमेंट (ATD) की गाड़ी के पास IED ब्लास्ट हुआ। शाम तक तीन और धमाके हुए।

महाराष्ट्र में आज स्थानीय निकाय चुनाव

एक साल पुरानी महायुति सरकार के लिए अग्निपरीक्षा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में आज दो दिसंबर को स्थानीय निकायों के महत्वपूर्ण चुनाव होने जा रहे हैं। इस दिन 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के लिए वोट डाले जाएंगे। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत तीन चरणों में होने वाली प्रक्रिया का पहला चरण है।

इन चुनावों को बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि हाल ही में नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने बड़ी जीत दर्ज की थी। उसने राज्य की 288 में से 235 सीट पर जीत हासिल की थी। अब यह देखा जाएगा कि क्या यही असर स्थानीय निकाय चुनावों में भी दिखता है या विपक्ष मिलकर महायुति के प्रभाव को चुनौती दे पाता है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा चार नवंबर को राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने की थी, जिसके बाद आचार संहिता लागू हो गई। इन चुनावों में कुल 6,859 और 288 अध्यक्षों का चुनाव होगा। 1.07 करोड़ से अधिक मतदाता 13,355 मतदान केंद्रों पर वोट करेंगे। पूरे चुनाव में ईवीएम का इस्तेमाल होगा और 66 हजार से अधिक कर्मचारी तैनात रहेंगे।

एक अधिकारी ने बताया कि कुल सीटों में से 3,492 महिलाओं, 895 अनुसूचित जाति, 338 अनुसूचित जनजाति और 1,821 ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित हैं। उम्मीदवारों के लिए खर्च सीमा अध्यक्ष पद के लिए 15 लाख और सदस्य पद के लिए 12 लाख रुपये तय की गई है।

देश का पहला मल्टीलेयर ग्लास सिरेमिक पैनल होगा

भारतीय वैज्ञानिक बुलेट प्रूफ पैनल बना रहे, एके 47 की गोली भी नहीं भेद पाएगी

कोलकाता ,एजेंसी। प. बंगाल की राजधानी कोलकाता स्थित सीएसआईआर (सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट) के वैज्ञानिक देश का पहला बुलेट प्रूफ ग्लास सिरेमिक पैनल बना रहे हैं। इसे एके-47 राइफल की गोली भी नहीं भेद पाएगी। देश में इस तकनीक को विकसित करने वाले स्पेशियलिटी ग्लास डिवीजन के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अतियार रहमान बताते हैं- हम 2-3 साल से इस टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं। वे बताते हैं- ग्लास सिरेमिक पैनल ने चंडीगढ़ डीआरडीओ के टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लैबोरेटरी में 10 मीटर की दूरी से एके-47 के सिंगल शॉट गोली का टेस्ट पास कर लिया है। अभी हमें मल्टीपल गोलियों से टेस्ट करना है। हमने इसके पेटेंट के लिए भी आवेदन कर दिया है। इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर विक्रमजीत बसु बताते हैं- इसका इस्तेमाल डिफेन्स से लेकर अंतरिक्ष अभियानों में किया जा सकेगा। खास बात यह

दिल्ली ब्लास्ट: कश्मीर-लखनऊ में 8 जगहों पर ईडी की रेड

आतंकी शाहीन और ड्रोन हमलों की प्लानिंग करने वाले बिलाल के घर तलाशी की

श्रीनगर, एजेंसी। दिल्ली आतंकी ब्लास्ट मामले को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में 8 जगहों पर छापेमारी की। एजेंसी ने कश्मीर में मौलवी इरफान अहमद, डॉ. आदील, डॉ. मुजम्मिल, आमिर राशिद और जसीर बिलाल और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में शाहीन के घर पर धावा बोला। न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार, NIA की छापेमारी शोपियां के नादिगाम गांव, पुलवामा के कोइल, चंदगाम, मलंगपोरा, संबूरा और कुलगाम में की गई। इसके अलावा डॉ. उमर नबी के साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश के घर पर भी छानबीन की गई। उस पर हमास की तरह भारत में ड्रोन हमलों की साजिश रचने का आरोप

है। एजेंसी सूत्रों के मुताबिक टीमें ऐसे सबूतों की तलाश कर रही हैं जो व्हाइट कॉलर टेरर नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। तलाशियों में नए सबूत मिले या नहीं इसको लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

शिमला के जाखू मंदिर में चांदी से नक्काशी होगी

- दानदाता ने रखा प्रस्ताव; न्यास समिति ने मंजूरी दी, 5.67 करोड़ का मास्टर प्लान अप्रूव

शिमला, एजेंसी। हिमाचल की राजधानी शिमला स्थित मशहूर जाखू मंदिर में जल्द ही भव्य बदलाव देखने को मिलेंगे। हनुमान मंदिर न्यास समिति जाखू की सोमवार को हुई मीटिंग मंदिर के गर्भगृह के आसपास चांदी की नक्काशी करने का फैसला लिया गया। इस पूरी नक्काशी का खर्च एक दानकर्ता द्वारा वहन किया जाएगा, जिसने खुद आगे बढ़कर यह प्रस्ताव दिया है। डीसी शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में न्यास ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। चांदी की नक्काशी का डिज़ाइन एसडीएम, न्यास सदस्य और जिला भाषा अधिकारी मिलकर तय करेंगे, ताकि मंदिर की पारंपरिक शैली और धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए काम किया जा सके।

5.67 करोड़ का मास्टर प्लान मंजूर : इस मीटिंग में मंदिर परिसर के विकास से जुड़े विशाल मास्टर प्लान को मंजूरी दी गई। हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार इस प्लान पर 5 करोड़ 67 लाख रुपए की अनुमानित लागत आएगी। इससे जाखू मंदिर में यज्ञशाला का निर्माण, शू हाउस, नए शौचालय ब्लॉक, दुकानें, शेड और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएगी।

मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट इसी सप्ताह शुरू करने के निर्देश : न्यास समिति की मीटिंग में मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट के बनाने की प्रोग्रेस रिपोर्ट भी रखी गई। वेबसाइट लगभग तैयार है और इसे एक सप्ताह के भीतर लाइव करने के निर्देश दिए गए।

साइक्लोन दितवाह कमजोर होकर गहरे दबाव में बदला

तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट, पुडुचेरी में स्कूल बंद; श्रीलंका में 334 लोगों की मौत

अमरावती/चेन्नई/पुडुचेरी, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात दितवाह कमजोर होकर गहरे दबाव (डीप डिप्रेशन) में बदल गया है। भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार को बताया कि समुद्र में दितवाह की लोकेशन चेन्नई से 140 किलोमीटर और पुडुचेरी से 90 किलोमीटर दूर स्थित है। तमिलनाडु में चक्रवात के कारण भारी बारिश-बाढ़ से अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में आज भी भारी बारिश का अलर्ट

जारी किया है। पुडुचेरी में भी एहतियात के तौर पर सभी स्कूलों को आज भर बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। भारत से पहले चक्रवात दितवाह ने श्रीलंका में जमकर तबाही मचाई। यहां अब तक 334 लोगों की मौत हो चुकी है। 370 लोग लापता हैं। देश में 11 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। लगभग 2 लाख लोग घर छोड़कर शेल्टर होम में रह रहे हैं। दितवाह के कारण श्रीलंका में रिकॉर्ड बारिश, बाढ़ और कई लैंडस्लाइड हुए।

तमिलनाडु के इन जिलों में अलर्ट

मौसम विभाग ने तूफान दितवाह के चलते तमिलनाडु के कुड्डालोर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू समेत कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां पर रविवार को दिनभर बारिश हुई। NDRF और SDRF समेत 28 से ज्यादा डिजास्टर रिस्पॉन्स टीमों को तैनात किया गया है। इनके अलावा महाराष्ट्र और गुजरात के NDRF बेस से 10 टीमें चेन्नई पहुंची हैं। तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण शनिवार को 54 उड़ानें रद्द कर दी गईं थीं। पुडुचेरी सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने साइक्लोन के कारण छुट्टी घोषित कर सभी परीक्षाएं स्थगित की हैं। IMD ने मछुआरों के लिए तमिलनाडु-पुडुचेरी तट, मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन तट, दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के साथ और उसके आस-पास समुद्र में न जाने की चेतावनी जारी की है।

रामपुर में गहरी खाई में गिरी कार, बुजुर्ग की मौत

शिमला, एजेंसी। उपमंडल रामपुर में रविवार देर शाम एक कार के खाई में गिरने से 72 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार भगवाना दास पुत्र ज्वाला दास निवासी गांव बाशरी डाकघर नारायण तहसील रामपुर जिला शिमला अपनी कार (नंबर ।क06ष्ट-6003, ऑल्टो 800) में दालोग से अपने घर बाशरी लौट रहे थे। जैसे ही वह बाशरी के पास छलेणी मोड़ पर पहुंचे, कार पर से उनका नियंत्रण हट गया और वाहन सड़क से करीब 400 से 500 फीट गहरी खाई में गिर गया। हादसे में चालक भगवाना दास की मौके पर ही मौत हो गई।

इस संबंध में थाना रामपुर में बीएनएस की धारा 281 व 106(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। हादसे की रिपोर्ट दिलीप सिंह पुत्र थानू राम निवासी बाशरी ने दर्ज करवाई, जिसमें उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना ड्राइवर की लापरवाही के कारण हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।

मां की हत्या के आरोप में बेटा गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद, एजेंसी। जिले में भरतपुर थानां अंतर्गत खैरा गांव में रविवार देर रात एक मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक ने अपनी ही मां की धारदार हथियार से हत्या कर दी। मृत महिला की पहचान मिनती गोस्वामी के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मिनती देवी अपने बेटे रघुनाथ गोस्वामी के साथ उसी घर में रहती थीं। वह पिछले डेढ़ वर्ष से बिस्तर पर थीं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हाल ही में रघुनाथ का मानसिक संतुलन बिगड़ गया था और वह असामान्य व्यवहार कर रहा था।

पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि रविवार आधी रात के करीब रघुनाथ ने अपनी मां पर धारदार हथियार से हमला किया। मृत महिला के हाथ और सिर पर गंभीर घाव मिले हैं, जिससे हत्या की पुष्टि होती है। अपराध को अंजाम देने के बाद आरोपित कुछ समय तक गांव में ही छिपा रहा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। पुलिस ने आरोपित बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। महिला के शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

डंपर की चपेट में आकर पूर्व सैनिक का पैर अलग, पत्नी घायल

धूपगुड़ी, एजेंसी। जलपाईगुड़ी जिले के धूपगुड़ी में रविवार देर रात एक दिल दहलाने वाली सड़क दुर्घटना में एक सेवानिवृत्त सेना जवान का पांव दो टुकड़ों में अलग हो गया। दुर्घटना में उनकी पत्नी भी गंभीर रूप से घायल हुई हैं। हादसा उस समय हुआ जब दोनों मोटरसाइकिल से समारोह घर से लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, पूर्व सैनिक विश्वनाथ बोस अपनी पत्नी के साथ बाइक से गयरकाटा लौट रहे थे। धूपगुड़ी के गिलांडी पुल के पास जैसे ही उनकी बाइक पहुंची, पीछे से तेज़ रफ्तार में आ रहे एक डंपर ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दंपत्ति सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान डंपर का पिछला पहिया विश्वनाथ बोस के दाहिने पैर पर चढ़ गया, जिससे घुटने के नीचे का हिस्सा पूरी तरह अलग हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत दोनों को धूपगुड़ी महकुमा अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

दुर्घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि तेज़ रफ्तार डंपरों की वजह से इस रास्ते पर आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन पुलिस प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रही है। लोगों ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद भारी वाहनों की रफ्तार पर कोई नियंत्रण नहीं लगाया गया। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि सड़क चौड़ी कर दी गई है, लेकिन गिलांडी पुल की चौड़ाई नहीं बढ़ाई गई। ऐसे में दो बड़े वाहनों के एक साथ गुजरने में अक्सर परेशानी होती है और बार-बार दुर्घटनाएं हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने पुल के चौड़ीकरण की तत्काल मांग की है, ताकि आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।

तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आए पानीपुड़ी ठेला चालक और ग्राहक, ठेला चालक की मौत

जोधपुर, एजेंसी। शहर के निकट बोरानाडा के थार ड्राई पोर्ट के समीप गढ़ गणेश के सामने रविवार की रात को पिकअप के चालक ने एक पानीपुड़ी ठेला चालक और पास में खड़े ग्राहक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में पानीपुड़ी ठेला चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक ग्राहक को घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उसका एमडीएम अस?पताल आईसीयू में उपचार जारी है।

बोरानाडा थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि रविवार की रात तकरीबन नौ बजे थार ड्राईपोर्ट के समीप गढ़ गणेश के सामने एक पिकअप के चालक ने पानीपुड़ी का ठेला लगाने वाले मध्यप्रदेश के च्वालियर हाल बोरानाडा निवासी 32 साल के छोटूराम पुत्र कल्लूसिंह और पास में खड़े ग्राहक मसूरिया स्थित बलदेव नगर गली नंबर 11 निवासी 30 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र भंवरलाल जीनगर को अपनी चपेट में ले लिया। पिकअप की गति ज्यादा तेज होने से एक विद्युत पोल से भी टकरा गयी। हादसे के बाद गाड़ी चालक उतर कर भाग गया। दुर्घटना में पानीपुड़ी ठेला चालक छोटूराम की तत्काल मौत हो गई, वहीं ग्राहक धर्मेंद्र को उपचार के लिए एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसका आईसीयू में उपचार जारी है।

थानाधिकारी शकील अहमद ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप को जब्त किया है। वह खाली थी। उसके चालक का पता लगाया जा रहा है। शव का एमडीएम अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोपोर में चोरी के मामलों को सुलझाया

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोपोर में अपराध में शामिल 02 आरोपियों को गिरफ्तार करके और उनके कब्जे से चोरी की संपत्ति बरामद करके 02 चोरी के मामलों को सुलझाया है। बोमई थाना पुलिस को नाथीपोरा निवासी अब्दुल रशीद मीर से उसकी दुकान से सामान चोरी होने की शिकायत मिली तदनुसार धारा 305, 33 बीएनएस के तहत एफआईआर संख्या 60/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया और जाँच शुरू की गई पूछताछ के दौरान कई संदिग्धों से पूछताछ की गई और 29 नवंबर 2025 को एक संदिग्ध व्यक्ति गुलाम मोहम्मद लोन पुत्र अब्दुल जब्बार लोन निवासी याहामा हंदवाड़ा को पूछताछ के लिए लाया गया आरोपी ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की और बताया कि चोरी का सामान नाथीपोरा में नदी के पास एक बाग में छिपाया गया था इस खुलासे के आधार पर पुलिस ने चोरी का सामान बरामद कर लिया। इसके अलावा बस स्टैंड पुलिस चौकी को सर सैयदाबाद निवासी गुलाम मोहम्मद कंजवाल से उसकी बेकरी की दुकान से नकदी चोरी होने की शिकायत मिली त्वरित कार्रवाई करते हुए धारा 305, 331 बीएनएस के तहत एफआईआर संख्या 268/2025 दर्ज की गई और जांच शुरू की गई अपराध घटित होने के 12 घंटे के भीतर आरोपी शाकिर सादिक भट का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया ।

हिमाचल के निचले इलाके हिल स्टेशनों मनाली व कुफ़री से ठंडे, 4 दिसंबर से बर्फबारी का अनुमान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में ठंड चरम पर है। जनजातीय जिलों लाहौल स्पीति और किन्नौर के बाद अब राज्य के निचले व मैदानी इलाकों में भयंकर ठंड पड़ रही है। निचले व मैदानी इलाकों में इस समय हिल स्टेशनों मनाली व कुफरी से ज्यादा ठंड पड़ रही है। शिमला से ज्यादा सर्दी ऊना, बिलासपुर व कांगड़ा में दर्ज की गई।

बिलासपुर में आज सुबह घने कोहरे के कारण दृश्यता घटकर मात्र 200 मीटर रह गई। वहीं लाहौल-स्पीति के जनजातीय इलाकों ताबो और कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान क्रमशः माइनस 5.2 और माइनस 3.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है, जिससे जलस्त्रोत जम गए हैं और सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। इसके अलावा किन्नौर के कल्पा व अन्य ऊंचाई वाले स्थानों में भी बर्फीली ठंड का असर बना हुआ है। कल्पा में न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रदेश के अन्य शहरों में आज सुबह ठंड का असर बेहद तीखा रहा। सोलन में न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री, भुंतर में 4.9 डिग्री, सराहन 5.0 डिग्री, पांवटा साहिब 10 डिग्री, धर्मशाला 7.1 डिग्री, मंडी 4.6 डिग्री, पालमपुर 6.0 डिग्री, कांगड़ा 7.2 डिग्री, हमीरपुर 6.9 डिग्री, जुब्बड़हट्टी 9.8 डिग्री,

नाहन 10.7 डिग्री, नारकंडा 9.0 डिग्री, भरमौर 8.0 डिग्री, बैजनाथ 5.3 डिग्री, कुफरी 10.4 डिग्री, देहरा गोपीपुर 7.0 डिग्री, बरठीं 5.9 डिग्री व बर्फीले पर्यटन स्थल मनाली में न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री दर्ज किया गया। राज्य की राजधानी शिमला में न्यूनतम पारा उछाल के साथ 9 डिग्री पहुंच गया, जो सामान्य से 2.5 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में राज्य के औसतन न्यूनतम तापमान में 1.3 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज हुई है जबकि औसत पारा सामान्य से 0.7 डिग्री अधिक रहा।

प्रदेश में पिछले एक माह से बारिश न के बराबर होने के कारण सूखी ठंड लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है। नवंबर माह में बारिश सामान्य से 95 फीसदी कम रही जिसके चलते हवा में नमी कम हो गई और सर्द हवाओं का असर और ज्यादा तीव्र हो गया। शीतलहर चलने से गांवों व कस्बों में सुबह-शाम अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने अगले दो दिनों यानी 3 दिसंबर तक निचले व मैदानी इलाकों में सुबह और शाम घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। इसके कारण वाहन चालकों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने कहा है कि राज्य में आज मौसम साफ बना हुआ है और 3 दिसंबर तक मौसम के इसी रुख में बने रहने की संभावना है। हालांकि 4 व 5 दिसंबर को पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव आएगा और इस दौरान राज्य के मध्य व उच्च पहाड़ी क्षेत्रों लाहौल-स्पीति, किन्नौर, चंबा, कुल्लू और शिमला में बर्फबारी होने का अनुमान है। इसके बाद 6 व 7 दिसंबर को फिर से मौसम साफ होने की संभावना जताई गई है।

हिमाचल : 11 माह में पुलिस का ड्रग्स माफिया पर बड़ा वार, 1958 केस दर्ज, 3017 गिरफ्तार

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने वर्ष 2025 के 11 महीनों में नशे के खिलाफ अब तक की सबसे कड़ी कार्रवाई करते हुए रिकॉर्ड स्तर पर एनडीपीएस मामले दर्ज किए हैं। 1 जनवरी 2025 से 28 नवंबर 2025 तक प्रदेश में कुल 1958 एनडीपीएस केस दर्ज किए गए। इनमें 3017 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस अवधि में बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई, जिनमें 329.108 किलोग्राम चरस, 21.305 किलोग्राम अफीम, 489.101 किलोग्राम पोपी हस्क, 90.552 किलोग्राम गांजा, 12.423 किलोग्राम हेरोइन, 11.51 ग्राम स्मैक, 1.44 ग्राम कोकीन, 25.024 ग्राम एमडीएमए शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस ने 79,326 नशीली गोलियां, 23,612 कैप्सूल, 89 बोतल नशीली सिरप भी कब्जे में ली हैं।

प्रदेश पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने सोमवार को ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशे की अवैध खेती के खिलाफ चलाए अभियान में पुलिस ने 7,13,137 भांग की पौधें तथा 3,95,069 पोस्ते के पौधे नष्ट किए। । बता दें कि प्रदेश पुलिस की इस कड़ी प्रहार किया है।

ट्रेन की चपेट में आने से हाथी के बच्चे की मौत

हरिद्वार, एजेंसी। सोमवार सुबह हरिद्वार-रायवाला के बीच ट्रेन की चपेट में आने से छह साल के हाथी के बच्चे की मौत हो गई। हादसा राजाजी टाइगर रिजर्व की हरिद्वार रेंज की खडखड़ी बीट में हुआ है। यहां हाथियों का एक झुंड आज सुबह करीब साढे छह बजे रेलवे ट्रेक पार कर रहा था, तभी झुंड में शामिल छह साल का नर बच्चा हावड़ा दून एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया।

बताया जा रहा है कि ट्रेन की स्पीड तय सीमा से ज्यादा थी, जिसके चलते हाथी का बच्चा ट्रेन के नीचे आकर घिसटता चला गया। फिलहाल वन विभाग की ओर से ट्रेन के लोकोपायलट और सहायक लोकोपायलट के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियमि की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। हरिद्वार रेंजर महेश सेमवाल ने बताया कि चार हाथियों का एक झुंड रेलवे ट्रेक पार कर रहा था। शुरुआती जांच में धुंध का होना भी एक कारण पाया गया है।

नेशनल गार्ड पर हमला करने वाला अफगानी अमेरिका पहुंचकर बना कट्टरपंथी

यह दावा होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नेशनल गार्ड के दो जवानों पर हुए हमले की जांच अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि आरोपी रहमनुल्लाह लकानवाल की कट्टरपंथी सोच अफगानिस्तान में नहीं, बल्कि अमेरिका आने के बाद विकसित हुई। यह दावा खुद होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 29 साल का लकानवाल पर आरोप है कि उसने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो सैनिकों पर फायरिंग की। इस हमले में 20 साल की सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई और 24 साल के एंड्र्यू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना ने अमेरिका की राजनीति में बवाल

खड़ा कर दिया। वहीं सवाल उठ रहा है कि क्या अब अमेरिका के अंदर ही अब बड़े खतरे पैदा हो रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक क्रिस्टी नोएम ने कहा कि शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि लकानवाल वॉशिंगटन स्टेट में रहने के दौरान कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में आया। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि उसकी सोच अमेरिका आने के बाद बदल गई। हम उसके परिवार और समुदाय से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। लकानवाल 2021 में उस समय अमेरिका आया था, जब बाइडेन प्रशासन ने तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी सहयोगियों को बड़े पैमाने पर निकाला था। हालांकि उसे अप्रैल में शरण ट्रंप प्रशासन ने मंजूर की थी।

क्रिस्टी नोएम ने चेतावनी दी कि जो भी व्यक्ति हमले से संबंधित जानकारी छिपाएगा या सहयोग नहीं करेगा, उसके खिलाफ भी अमेरिकी प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। अमेरिका ने सभी असाइलम एप्लिकेशंस यानी शरण की प्रक्रिया रोक दी है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि पेंडिंग असाइलम केस वाले लोगों को भी डिपोर्ट किया जा सकता है, अगर उन्हें खतरा माना गया। अमेरिका ने बाइडन प्रशासन में दिए गए सभी ग्रीनकार्ड की जांच शुरू कर दी है।

अध्ययन : खून के अणुओं से कम होगी उम्र बढ़ने की रफ्तार, जवां दिखेगी त्वचा

वॉशिंगटन, एजेंसी। वैज्ञानिकों ने खून में पाई जाने वाली एक कम-पहचानी बैक्टीरिया प्रजाति से बने नए एंटी-एजिंग यौगिक खोजे हैं। यह खोज भविष्य में नई स्किन-रिजुवनेशन थेरेपी यानी त्वचा को फिर से जवां करने के तरीकों की राह दिखा सकती है। इन यौगिकों को इंडोल मेटाबोलाइट्स कहा जाता है। इन यौगिकों लैब में तैयार त्वचा कोशिकाओं में सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव और कोलाजेन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधि को कम किया। शोधकर्ताओं के मुताबिक यह भविष्य की स्किन थेरेपी का अप्रत्याशित स्रोत बन सकता है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि शरीर खुद ऐसे अणु बनाता है जिनमें प्राकृतिक एंटी-एजिंग क्षमता होती है। खून में रहने वाले एक बैक्टीरिया के बनाए गए ये तीन शक्तिशाली अणु मानव त्वचा कोशिकाओं में सूजन और

कोशिकाओं के नुकसान को कम करने में सक्षम पाए गए। यह शोध अध्ययन अमेरिकन केमिकल सोसायटी और अमेरिकन सोसायटी ऑफ फार्माकोग्नॉसी के जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स में छपा है।

खून में रहने वाले बैक्टीरिया खोल सकते हैं सेहत के राज: वैज्ञानिकों को अभी भी यह कम समझ है कि खून में घूमने वाले बैक्टीरिया के उप-उत्पाद (मेटाबोलाइट्स) इंसानी सेहत पर कैसे असर डालते हैं। इनमें से इंडोल यौगिक खास तौर से अहम हैं क्योंकि यह बुढ़ापा रोधी, सूजन रोधी और सूक्ष्मजीव रोधी प्रभाव वाले गुण रखता है। वैज्ञानिकों ने 2015 में ऐसा ही एक खून में रहने वाला बैक्टीरिया खोजा जो ये यौगिक बनाता है और उसका नाम पैराकोकस सैंगुइनिस रखा गया। इस विचार को समझने के लिए टीम ने पैराकोकस सैंगुइनिस को तीन दिन तक बड़ी मात्रा में उगाया और इसमें बने सभी मेटाबोलाइट्स (एक पदार्थ जो चयापचय में बनता है या उसके लिए जरूरी है) को निकाला।

इनमें से तीन इंडोल, जिनमें दो नए थे, ने तनावग्रस्त कोशिकाओं में प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों को कम किया, जबकि बगैर इलाज वाली कोशिकाओं में यह अधिक था। इन्हीं यौगिकों ने दो सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन और एक कोलाजेन तोड़ने वाले प्रोटीन के स्तर भी कम किए। इन शुरुआती परिणामों के आधार पर, वैज्ञानिकों का कहना है कि ये नए इंडोल मेटाबोलाइट भविष्य में ऐसे इलाज विकसित करने में मदद कर सकते हैं जो त्वचा पर उम्र बढ़ने के प्रभावों को कम करें।

खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में थोड़ा सुधार, सरकार ने कहा-तारिक जब चाहें लौट सकते हैं बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत पर दुआओं और दवाओं का कुछ असर होता दिख रहा है। उनकी शारीरिक स्थिति में रविवार को कुछ सुधार दिखा। वह एकाध बार अस्पताल के बिस्तर पर हिलती-डुलती नजर आई। इस बीच अंतरिम सरकार के एक सलाहकार ने कहा कि लंदन में रह रहे खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान जब चाहें, तब बांग्लादेश लौट सकते हैं। प्रोथोम अलो अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, 80 वर्षीय खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में थोड़ा सुधार हो रहा है। रविवार को वह अस्पताल के बिस्तर पर थोड़ा हिल-डुल पा रही थीं और बातचीत का जवाब भी दे पा रही थीं। डॉक्टर्स और बीएनपी नेताओं से जुड़े कई सूत्रों ने यह जानकारी दी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पिछले

दो दिनों में खालिदा जिया की शारीरिक स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। फिर भी वह अभी भी खतरे से बाहर नहीं हैं। स्थानीय और विदेशी डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

सूत्रों ने बताया कि परिवार की चिंताओं के बावजूद खालिदा को विदेश ले जाने पर कोई फैसला नहीं लिया गया। उन्हें लंबी उड़ान से शारीरिक तनाव और पर्यावरण परिवर्तन से बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। खालिदा अभी उस खतरे को उठाने की स्थिति में नहीं पहुंची हैं। फिलहाल, डॉक्टरों की प्राथमिकता देश में उच्चतम गुणवत्ता वाला इलाज सुनिश्चित करना है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, खालिदा जिया की सेहत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस बीच, उनके जल्दी ठीक होने के लिए पूरे देश में दुआएं की जा रही हैं। उनका इलाज ढाका के एवरकेयर अस्पताल में चल रहा है। पार्टी नेताओं और उनके मेडिकल बोर्ड के सदस्यों ने रविवार रात यह जानकारी दी। मेडिकल बोर्ड के एक सदस्य ने कहा कि खालिदा जिया थोड़ी बेहतर हैं। खालिदा खाने के रूप में अपनी बहू के हाथ से परोसे गए तरल पदार्थ को ले रही हैं। डॉक्टर्स ने कहा कि अगर उनकी हालत में और सुधार होता है, तो उन्हें एडवांस इलाज के लिए सिंगापुर या लंदन ले जाया जा सकता है। इससे पहले रविवार दिन में पार्टी के वरिष्ठ संयुक्त सचिव रूहुल कबीर रिज़वी ने कहा था कि बीएनपी चेयरपर्सन की सेहत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के विदेशी मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने रविवार को कहा कि बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष और खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान जब चाहें बांग्लादेश लौट सकते हैं। सरकार एक दिन के अंदर वन-टाइम ट्रैवल पास जारी कर सकती है। तौहीद ने कहा, अगर आज वह कहते हैं कि वह लौटना चाहते हैं, तो हम कल वन-टाइम ट्रैवल पास जारी कर सकते हैं। वह अगले दिन प्लेन में चढ़ सकते हैं। कोई प्रॉब्लम नहीं है। यह पूरी तरह से उन पर निर्भर है।

तौहीद बांग्लादेश के डिप्लोमैटिक कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में नेशनल प्रेस क्लब में आयोजित एक चर्चा में बोल रहे थे। सलाहकार की यह टिप्पणी खालिदा जिया की सेहत को लेकर चिंताओं और तारिक की घर वापसी पर चर्चा के बीच आई है। उन्होंने कहा कि अगर विदेश में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के पास पासपोर्ट नहीं हैं तो भी ट्रैवल पास जारी किए जा सकते हैं।

तारिक 2008 में बहुत सारे मामलों के बीच लंदन गए थे। उन्होंने शनिवार को अपने फेसबुक अकाउंट पर लिखा कि वह घर आकर अपनी बीमार मां के पास रहना चाहते हैं, लेकिन यह फैसला पूरी तरह से उनके हाथ में नहीं है। पिछले हफ्ते, खालिदा को दिल और फेफड़ों में इन्फेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था और एवरकेयर हॉस्पिटल के कोरोनरी केयर यूनिट में उनका इलाज चल रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में 1100 विद्यार्थियों का सामूहिक सस्वर गीता पाठ

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में हुआ गरिमामय आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इसी क्रम में पूजा पार्क सीधी में गीता जयंती का अत्यंत गरिमामय और आध्यात्मिक वातावरण से परिपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य आकर्षक कड़ी रहीकृ1100 विद्यार्थियों, वेद पाठी आचार्यों, अधिकारियों तथा गणमान्य नागरिकों द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का सामूहिक सस्वर पाठ, जिसने पूरे परिसर को आध्यात्मिक तरंगों और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। सामूहिक स्वर में गूंजते गीता श्लोकों ने उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान की।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, कार्यक्रम प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर प्रियल यादव, नोडल अधिकारी पी.के. सिंह, जिला जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मिश्रा, जिला संस्कृत प्रभारी सतीश पाण्डेय सहित गणमान्य नागरिक, आचार्यगण और सभी अधिकारियों ने भी विद्यार्थियों के साथ सस्वर गीता पाठ कर कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। इस अवसर पर विश्व गीता प्रतिष्ठानम के जिला प्रमुख एडवोकेट महेंद्र शुक्ला एवं करुणेश तिवारी ने कार्यक्रम के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सरल, अनुशासित और उद्देश्यपूर्ण बनाने वाली सार्वभौमिक मार्गदर्शिका है। उन्होंने समाज में नैतिकता, सदाचार और कर्तव्यबोध बढ़ाने में गीता की भूमिका पर बल दिया।

विद्यालयीन छात्र-छात्राओं द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियाँ, नृत्य, गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनसे कार्यक्रम में भक्ति, ऊर्जा और भारतीय सांस्कृतिक वैभव का सुंदर समावेश दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित आचार्यों का साल और श्रीफल से सम्मान कर उन्हें विशेष आदरांजलि अर्पित की गई।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का मूल उद्देश्यकृगीता के ज्ञान, धर्म, योग, सदाचार और कर्तव्यपालन की जीवनदायी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुँचाना है। जिला प्रशासन, विद्यालयीन संस्थाओं, आचार्यों और समाज के विभिन्न वर्गों की संयुक्त सहभागिता ने इस उद्देश्य को सीधी जिले में सार्थक रूप से अभिव्यक्त किया। सामूहिक सस्वर पाठ ने न केवल विद्यार्थियों में आध्यात्मिक ऊर्जा, अनुशासन और एकाग्रता जगाई, बल्कि समुदाय के स्तर पर सांस्कृतिक एकता और सकारात्मक माहौल भी स्थापित किया। गीता के 15वें अध्याय के सामूहिक उच्चारण ने उपस्थित जनसमूह में ज्ञान, धर्म और कर्मयोग के प्रति गहरी प्रेरणा जागृत की। कार्यक्रम की उल्लेखनीय सफलता ने यह प्रमाणित किया कि जब प्रशासन, समाज और शिक्षा प्रणाली एकसाथ मिलकर सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन हेतु प्रयास करते हैं, तो उसका प्रभाव न सिर्फ आयोजन स्थल तक सीमित रहता है, बल्कि व्यापक सामाजिक परिवेश को भी लंबे समय तक सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

बैढ़न मंडी की जर्जर पानी टंकी से लीकेज

लोग बोले- कभी भी ढह सकती है; निगम अधिकारियों ने कही जांच की बात

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बैढ़न मंडी परिसर में बनी एक लाख लीटर क्षमता वाली पानी की टंकी इन दिनों बुरी तरह जर्जर हो चुकी है। टंकी से लगातार पानी रिस रहा है, जिससे न केवल बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो रहा है, बल्कि इसके कभी भी गिरने का खतरा बढ़ गया है। आसपास के लोगों और मंडी में आने-जाने वाले व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं उठने लगी हैं।

2013-14 में बनी टंकी, पांच साल से थी बंद: मंडी सचिव हीरामणि त्रिपाठी के अनुसार, इस पानी टंकी का निर्माण वर्ष 2013-14 में मंडी प्रशासन ने कराया था। लगभग पांच साल से यह टंकी उपयोग में नहीं थी। हाल ही में नगर निगम से मौखिक बातचीत के बाद इसे फिर से नल-जल योजना के लिए चालू किया गया। त्रिपाठी ने स्वीकार किया कि टंकी बेहद खराब स्थिति में है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जांच रिपोर्ट नगर निगम को सौंप दी गई है, हालांकि रिपोर्ट में क्या निष्कर्ष निकले, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है।

अधिकारी बोले- जानकारी नहीं थी, जल्द होगी जांच: नगर निगम के कार्यपालन यांत्रिक संतोष पांडे ने कहा कि वर्तमान में यह टंकी वार्ड नंबर 42 में जल आपूर्ति के लिए उपयोग की जा रही है। हालांकि उन्होंने टंकी के लीकेज या खराब स्थिति के बारे में स्पष्ट जानकारी होने से इनकार करते हुए कहा कि वे आज ही जांच करवाएंगे। पांडे ने आश्वासन दिया कि यदि टंकी असुरक्षित पाई जाती है, तो तुरंत ऑप्शनल व्यवस्था की जाएगी।

नई टंकी निर्माणाधीन: नगर निगम ने यह भी बताया कि पचखोरा कॉलोनी में 10 लाख लीटर क्षमता वाली नई पानी टंकी का निर्माण चल रहा है। इसके तैयार होने के बाद बैढ़न मंडी की इस पुरानी टंकी का उपयोग बंद कर दिया जाएगा।

स्थानीय लोग बोले- क्यों शुरू की गई खराब टंकी: स्थानीय लोगों ने बताया कि जब जांच में टंकी को जर्जर पाया गया था, तो इसे दोबारा उपयोग में क्यों लाया गया। यदि यह टंकी अचानक गिर जाती है और कोई दुर्घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। लोगों ने प्रशासन से तत्काल सुरक्षा उपाय करने और टंकी को बंद कराने की मांग उठाई है।

आज के तनावपूर्ण और भौतिकवादी युग में गीता का महत्व विषय पर व्याख्यान सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार तथा प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय मड़वास में गीता जयंती के अवसर पर आज के तनावपूर्ण और भौतिकवादी युग में गीता का विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित के.के. मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता व्यक्ति को तनाव, भय और मानसिक उलझनों से मुक्त करने का मार्ग दिखाती है। उन्होंने बताया कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि एक व्यवहारिक जीवन-दर्शन है, जो मनुष्यों को स्थितप्रज्ञता, कर्तव्यपरायणता और संतुलन की शिक्षा देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि आधुनिक समय में बढ़ते तनाव, प्रतिस्पर्धा और भौतिक आकर्षण के बीच गीता मनुष्य को सही दिशा प्रदान करती है। उन्होंने गीता के संदेश को जीवन में आत्मसात करने पर बल दिया।

कार्यक्रम का संचालन प्रभारी डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राएँ शालिनी साकेत, शीलू शुक्ला तथा अश्विनी साकेत ने कृष्ण भक्ति के सुमधुर गीतों की मनोहारी प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित जनसमूह ने सराहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार से डॉ. निशा सिंह, डॉ. रामधारी जायसवाल, प्रो. प्रवीण कुमार, प्रो. बाबा हरिनन्द, डॉ. ज्योति रजक, अनिल केवट सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

आईटीआई नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर सीधी (निप्र)। शासकीय आईटीआई मझौली (सीधी) में संस्था की प्राचार्या अलका शुक्ला के निर्देशन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के नशा मुक्ति अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्परिणामों तथा सामाजिक जीवन पर उसके नकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया गया। प्राचार्या शुक्ला ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इसलिए युवा पीढ़ी का जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से स्वयं नशा मुक्त रहने तथा अपने मित्रों और परिजनों को भी इस दिशा में प्रेरित करने का आव्हान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षकों ने भी प्रशिक्षणार्थियों को नशा त्यागने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा ई-शपथ भी कराई गई।

अभियान में संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों के साथ-साथ प्रशिक्षक एवं ट्रेनिंग ऑफिसर उपासना कुमारी, मेहमान प्रवक्ता लीकेश तरवरे, निशांत सिंह बघेल, साक्षी विश्वकर्मा, श्रीकांत गेडाम, आनंद नामदेव सहित अन्य स्टाफ सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, बहन के घर सीधी जा रहा था; इलाज के दौरान तोड़ा दम युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी बस स्टैंड के पास सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक सीधी स्थित अपनी बहन के घर जा रहा था, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान उमरिया जिले के इन्दवार थाना क्षेत्र निवासी हरिनाथ साकेत (49) के रूप में हुई है। हरिनाथ अपनी मोटरसाइकिल से सीधी में अपनी बहन के घर जा रहे थे और अपने साथ मिठाई भी ले जा रहे थे। ब्यौहारी बस स्टैंड के पास शहडोल से रीवा की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

युवक ने इलाज के दौरान तोड़ा दम: सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल हरिनाथ को अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि ब्यौहारी बस स्टैंड पर अक्सर भीड़भाड़ रहती है, लेकिन बड़े वाहन तेज गति से गुजरते हैं, जिससे ऐसे हादसे होते रहते हैं।

स्थानीय लोगों ने पुलिस और सड़क निर्माण एजेंसी से बस स्टैंड पर बड़े वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए ब्रेकर बनाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

खाद-बीज की मनमानी कीमत पर होगी एफआईआर, निर्धारित दर से अधिक बिक्री पर कार्रवाई तय; कई दुकानदार दुकान बंद करभाग

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। रबी सीज़न के चलते खाद एवं बीज की बिक्री पर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश पर कृषि और राजस्व विभाग के संयुक्त दल ने सोमवार को औचक निरीक्षण किया।

यह निरीक्षण सरई, देवसर, माडा क्षेत्र के साथ ही बैढ़न शहर के बेलौजी, माजन मोड़, तेलाई और परसौना इलाकों की दुकानों पर किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकांश दुकानदार निर्धारित दर पर ही खाद और बीज बेचते पाए गए। हालांकि, प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि कोई भी व्यापारी किसानों से मनमानी कर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली का प्रयास न करे।

उप संचालक कृषि मनोज सिंह ने बताया कि गठित जांच दल लगातार निगरानी कर रहा है। किसी भी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई दुकानदार कालाबाजारी या अधिक मूल्य पर बिक्री करते हुए पाया गया, तो उसके विरुद्ध लाइसेंस निलंबन के साथ-साथ एफआईआर दर्ज कर पुलिस थाने में मामला भेजा जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसानों के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खाद-बीज जैसी आवश्यक कृषि सामग्री पर अवैध कमाई करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन कठोर कदम उठाने को पूरी तरह तैयार है। यह भी सामने आया कि जब अधिकारी निरीक्षण के लिए इलाकों में पहुंचे, तो कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर मौके से भाग गए। प्रशासन ने आम जनता और किसानों से अपील की है कि यदि कहीं भी निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूली की शिकायत मिले, तो तुरंत कृषि विभाग या राजस्व विभाग को सूचित करें, ताकि दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

प्रेमी जोड़े ने मंदिर में रचाई शादी, मांगी सुरक्षा; परिजनों ने किया विरोध, पुलिस बोली-अब हम संभालेंगे मामला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक प्रेमी जोड़े ने समाज के विरोध के बीच मंदिर में शादी रचाकर नया मोड़ ला दिया। विवाह के तुरंत बाद प्रेमी संदीप जायसवाल और प्रेमिका पायल साहू रविवार देर रात सीधे सिटी कोतवाली थाना पहुंचे और पुलिस से सुरक्षा मांगी। दोनों ने बताया कि उनके घर वाले इस रिश्ते के खिलाफ थे और वे अलग-अलग समाज से आते हैं, इसी कारण परिवार शादी के लिए तैयार नहीं थे।

जानकारी के मुताबिक युवती पायल साहू, मूल निवासी व्यवहारी जिला शहडोल (वर्तमान पता रानी तालाब, रीवा) और संदीप जायसवाल, निवासी रानी तालाब—पिछले 3-4 वर्षों से एक-दूसरे से प्रेम करते थे। रिश्ते को आगे बढ़ाने की बात जब घरों में पहुंची तो परिजनों ने इसे मंजूरी नहीं दी। विरोध बढ़ता गया और हालात ऐसे बने कि दोनों ने अलग समाज होने की वजह से दबाव और विवाद की आशंका के चलते घरवालों के खिलाफ जाकर अपना फैसला खुद लेने का निर्णय लिया। परिजनों के विरोध के बीच दोनों ने सतना के एक मंदिर में विवाह किया। शादी के बाद रविवार देर रात दोनों रीवा सिटी कोतवाली पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। थाने में प्रेमी जोड़े ने स्पष्ट कहा कि उन्होंने अपनी मर्जी से शादी की है और किसी तरह के दबाव में नहीं हैं। साथ ही उन्होंने पुलिस से गुहार लगाई कि परिवार की प्रतिक्रिया को देखते हुए उन्हें सुरक्षा दी जाए ताकि वे सुरक्षित तरीके से साथ रह सकें।

थाने में दोनों पक्षों के परिजन भी मौजूद रहे। पुलिस ने प्रेमी जोड़े और परिजनों से बात की, पूरे मामले को संवेदनशील मानते हुए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। इसके बाद पुलिस ने उन्हें सुरक्षा के आश्वासन के साथ थाने से रवाना किया। प्रेमी जोड़ा फिलहाल पुलिस प्रोटेक्शन की उम्मीद कर रहा है, जबकि परिजनों के विरोध के चलते मामला आगे भी संवेदनशील बना रह सकता है।

ट्रेलर ने बाइक को मारी टक्कर ड्यूटी से लौट रहे पंडरी गांव के दो युवक घायल, ट्रेलर ड्राइवर फरार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में अंतर्गत सोलंग मोड़ पर रविवार देर रात कोयले से भरे ट्रेलर ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। घटना लगभग 12 से 1 बजे के बीच हुई। इस हादसे में बाइक चालक और पीछे बैठे युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायल युवकों की पहचान पंडरी गांव निवासी के रूप में हुई है, जिनमें से एक का नाम लालमन सिंह बताया गया है। पुलिस और स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों युवक ड्यूटी खत्म कर अपने घर लौट रहे थे, तभी पीछे से आ रहे बेकाबू ट्रेलर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

हादसे में एक युवक का पैर दो जगह से टूट गया, वहीं दूसरे युवक का हाथ टूट गया और सिर के पीछे गहरी चोट आई है। घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

घायलों को इलाज जारी, चालक मौके से फरार: सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। दुर्घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस वाहन और चालक की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर रात के समय कोयला परिवहन करने वाले वाहन तेज रफ्तार में चलते हैं, जिसके कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं। उन्होंने प्रशासन से कड़े यातायात नियम लागू करने और निगरानी बढ़ाने की मांग की है ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस गीता जयंती पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में गीता जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में आयोजित हो रहे गीता महोत्सव के अंतर्गत आज गीता का महत्व एवं व्यवहारिक अनुप्रयोग विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात मुख्य वक्ता डॉ. रामलला शर्मा, सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य, का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। अपने संबोधन में डॉ. शर्मा ने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता केवल ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन का दर्शन है, जो प्रत्येक क्षण हमें सम्यक व्यवहार करना सिखाती है। उन्होंने कहा कि गीता के गूढ़ रहस्यों को समझकर मनुष्य अपने जीवन को अत्यंत सहज, संतुलित एवं लक्ष्यपूर्ण बना सकता है। वक्ता के रूप में उपस्थित अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल सिंह ने कहा कि गीता के विभिन्न संस्करण पूरे भारत में उपलब्ध हैं, परंतु सभी का मूल संदेश यही है कि मानव जीवन को बेहतर और सार्थक कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति गीता के मूल सार को समझ लेता है, तभी उसका जीवन वास्तव में सफल होता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि गीता हमें जीवन के व्यवहारिक पक्ष को समझना सिखाती है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है और इसे स्वीकार करने की क्षमता ही जीवन को सुचारू एवं उपलब्धियों से परिपूर्ण बनाती है।

संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. भोला सिंह कुशराम ने दीपक के माध्यम से प्रकाश के संदेश को समझाते हुए कहा कि दीपक की भांति हमें भी अपने जीवन में उज्ज्वल, शांत और सकारात्मक बने रहना चाहिए। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद साकेत ने कार्यक्रम के विषय का प्रभावी परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. दिलीप सोनी द्वारा किया गया। वहीं डॉ. गंगा बैरागी, सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र, ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में उमेश कुमार सोनी, डॉ. प्रतिभा सिंह, डॉ. बिंजू कुमारी, डॉ. मनोज जायसवाल तथा महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर व्याख्यान से लाभ प्राप्त किया।

छात्र युवा हैं और समाज में एड्स के प्रति जागरूकता ला सकते हैं: डॉ. संदीप शुक्ला

मीडिया ऑडीटर सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति के मार्गदर्शन में शासकीय महाविद्यालय मड़वास में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर ''एड्स रू कारण एवं बचाव'' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मझौली बीएमओ डॉ. संदीप शुक्ला उपस्थित रहे। उन्होंने एड्स के कारणों, संक्रमण के तरीके तथा इससे बचाव के प्रभावी उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. शुक्ला ने कहा कि छात्र और युवा समाज में जागरूकता फैलाने की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

अवसाद से मुक्ति

संपादकीय

अक्सर देखा जाता है कि परीक्षाओं के दौरान छात्र तनावग्रस्त हो जाते हैं। एक भय हावी हो जाता है, जिससे वे परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाते। कुछ छात्र तो अक्सर खूब पढ़कर जाने के बावजूद परीक्षा के दौरान तनाव के चलते सब कुछ भूल जाते हैं। दरअसल, हमारा शैक्षिक परिवेश हाल के दिनों में बेहद प्रतिस्पर्धी हो चला है। मासूम बच्चों के सामने गला-काट स्पर्धा होती है। विडंबना यह है कि दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के अवसर जनसंख्या के अनुपात में नहीं बढ़े हैं, जिससे स्पर्धा और कठिन हो गई है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश हो या फिर नौकरी के अवसर, वे प्रतियोगियों के मुकाबले बहुत कम होते हैं, जिसकी परिणति छात्रों में बढ़ते तनाव और कालांतर में उसके अवसाद में बदलने के रूप में होती है। यही वजह है कि स्कूल-कालेजों के परीक्षा परिणाम आने पर देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की सुर्खियां अखबारों में बनती हैं। सुखद है कि अब आईआईटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने ऐसे शारीरिक संकेतकों का पता लगाया है, जिससे पता चल सकेगा कि किन छात्रों में परीक्षा के दौरान चिंता बढ़ने का जोखिम अधिक है। इस खोज को शिक्षा प्रणाली में तनाव प्रबंधन व प्रदर्शन सुधारने हेतु बड़े बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हाल ही में यह शोध 'बिहेवियरल ब्रेन रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है। इससे छात्रों के लिए व्यक्तिगत तनाव प्रबंधन योजना भी तैयार हो सकेगी।

यह वैज्ञानिक सत्य है कि किसी भी व्यक्ति में मस्तिष्क व हृदय के बीच संचार-तंत्र टूटने से तनाव पैदा होता है। ऐसे में आईआईटी मद्रास ने परीक्षा के तनाव को पहचानने के जो जैविक संकेत पहचाने हैं, वे आने वाले समय में परीक्षा तनाव प्रबंधन में मददगार साबित हो सकते हैं। कोशिश है कि अब एआई की मदद से छात्रों के तनाव जोखिम की पहचान की जा सके। दरअसल, नये शोध की मुख्य बातें दो शारीरिक संकेतों को जोड़ने में निहित हैं। फ्रंटल अल्फा एसिमिट्री यानी एफएए, जो कि भावनात्मक नियमन का मस्तिष्क आधारित संकेतक है। दूसरा हार्ट रेट वैरिएबिलिटी, जो हृदय के अनुकूलन नियंत्रण को मापता है। ये संकेत चिंताग्रस्त छात्रों की पहचान करने में मदद करते हैं। शोधार्थियों ने पाया कि जिन छात्रों में एफएए पैटर्न नकारात्मक होता है, उनमें तनाव से हृदय के संतुलन तंत्र की क्षमता कमजोर पड़ जाती है। दरअसल, परीक्षा को लेकर जो अधिक फिक्र है, वो हृदय की प्रतिक्रिया को भी बाधित करती है। परिणामस्वरूप वे अधिक तनाव में आ जाते हैं। शोध में इन तथ्यों को भी समझने का प्रयास हुआ कि कुछ छात्र परीक्षा के तनाव के बावजूद बेहतर प्रदर्शन करने में कैसे सफल हो जाते हैं। वहीं कुछ छात्र चिंताग्रस्त होकर परीक्षा में सफल नहीं हो पाते हैं। दरअसल, साल भर नियमित पढ़ाई न करने और परीक्षा सामने आने पर वे घबराहट में तनावग्रस्त हो जाते हैं।

नये श्रम कानूनों में असंगठित श्रमिकों का हित संरक्षण

सच्चिदानंद शेकटकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने चार नए श्रम कानूनों को लागू कर दिया है। पूर्व में प्रचलित ढेर सारे श्रम कानून को अब चार श्रम कानून में परिवर्तित कर दिया गया है। लेकिन जो नए श्रम कानून लागू किए गए हैं उनको अभी व्यापक प्रचार प्रसार की आवश्यकता है। इन नए कानूनों को अभी जिस तरह से लोगों को समझ में आना चाहिए वह भी समझ में नहीं आ रहे हैं। वैसे अभी तक श्रमिक किसे माना जाना चाहिए इसकी सही तरीके से परिभाषा तय नहीं हुई है। जो नए श्रम कानून लागू होने जा रहे हैं उसमें देश के 40 करोड़ से अधिक असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के हितों का सबसे अधिक ध्यान रखा गया है। जो नई श्रम नीति है उसमें अब असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के वेतन में वृद्धि भी होने जा रही है। अब संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के वेतन में प्रतिदिन 9 रुपये की वृद्धि हो जाएगी। इसका आशय यह है कि अब प्रति माह असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को 3000 रुपए तक का वेतन मिल सकेगा। श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी से उनकी खपत भी बढ़ेगी और देश की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा विस्तार मिलेगा। नए श्रम कानून से अब श्रम विभाग की छोटे व्यापारियों को परेशान करने की मनमानी से भी राहत मिलेगी। नए कानून के मुताबिक अब जिस भी संस्थान में 20 से कम श्रमिक काम कर रहे हैं वहां पर अब बिना श्रम आयुक्त की अनुमति के कोई भी निरीक्षक बलपूर्वक निरीक्षण करने नहीं जा सकेगा। आशय यह है कि श्रम विभाग की जो डंडा संस्कृति है उससे नये नियमों में राहत दिलाई गई है। नीति आयोग के मुताबिक अब सभी प्रकार के श्रमिकों को नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य होगा। श्रमिकों के पास उन्हें नौकरी करने और वेतन पाने का लिखित सबूत भी मिलेगा। अभी सिर्फ अनुसूचित औद्योगिक इकाइयों में ही न्यूनतम वेतन का नियम लागू होता था अब यह सभी जगहों पर लागू होगा। नए श्रम कानूनों के लागू होने से अब उद्यमियों को विभिन्न प्रकार के श्रम कानून के पालन से मुक्ति मिलेगी। नई श्रम नीति में 300 से कम कर्मचारी वाली यूनिट को बिना सरकार के अनुमति के कभी भी बंद किया जा सकता है। अभी यह संख्या 100 है। यूनिट बंद करने के नियम में सख्ती से कई बार उद्यमी ऑर्डर मिलने पर भी नई यूनिट नहीं लगा रहे थे। वैसे श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने और ग्रेच्युटी के नियम में बदलाव से प्रतिष्ठानों की लागत भी बढ़ेगी। अभी ग्रेच्युटी पाने के लिए कम से कम 5 साल की नौकरी अनिवार्य है। परंतु नए श्रम कानून के लागू होने पर अब 1 साल काम करने पर ही श्रमिकों को ग्रेच्युटी का भुगतान करना पड़ेगा। अभी ग्रेच्युटी बेसिक वेतन के आधार पर दी जाती है जबकि नए नियम लागू होने पर कुल वेतन के आधार पर ग्रेच्युटी दी जाएगी। स्थाई और गैर स्थाई दोनों प्रकार के कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित करने से भी प्रतिष्ठानों की लागत बढ़ेगी। नई श्रम नीति के तहत केंद्र सरकार देशभर के श्रमिकों के लिए एक फ्लोर मजदूरी या वेतनमान तय करने जा रही है और कोई भी राज्य फ्लोर मजदूरी से कम वेतन अपने श्रमिकों को नहीं दे सकेगा। फ्लोर मजदूरी का नियम ऑफिस,दुकान या किसी निजी प्रतिष्ठान में काम करने वाले सभी प्रकार के श्रमिकों के लिए लागू होगा। अगले तीन महीने में फ्लोर मजदूरी तय हो जाएगी। अभी हर राज्य अलग-अलग न्यूनतम वेतन तय करता है। लेकिन अब जब केंद्र सरकार की ओर से फ्लोर मजदूरी तय होने के बाद सभी राज्यों में एक जैसी न्यूनतम मजदूरी श्रमिकों को मिल सकेगी।

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुन : आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सहकार से समृद्धि का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है।

भारत का आर्थिक विकास - सहकारिता से समृद्धि की ओर

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकि भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचना- कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब ÷सहकार से समृद्धि÷ की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं।

उक्त वर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63,000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था एवं केंद्र सरकार द्वारा अब किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बर्बादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है। देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से ÷ईज आफ डूइंग बिजिनेस÷ के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती हैं। विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनो में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा।

मानवीय और तकनीकी हस्तक्षेप : बेकाबू मौसम

वर्ष 2025 में जितनी प्राकृतिक आपदाएं भारत सहित दुनिया के देशों में आई हैं, उसने आम जन जीवन को भयभीत कर दिया है। इतिहास में एक साथ कभी भी इतनी बड़ी संख्या में प्राकृतिक आपदाएं नहीं देखी गई हैं। किसी भी देश के किसी भी हिस्से में कभी भी भीषण चक्रवात, बाढ़, सूखा, ओलावृष्टि, असामान्य गर्मी, असामान्य ठंड, अनायास बर्फबारी जैसी घटनाएं नहीं हुई। लेकिन अब हर महीने विश्व के किसी न किसी कोने में इस तरह की घटनाएं सुनने को मिलती हैं। मौसम में यह बदलाव क्यों आ रहा है इसको लेकर पर्यावरण विद् चिंतित हो गये हैं।

सनत जैन

जिस तरह से सत्ता में बैठे हुए लोग प्रकृति के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके दुष्परिणाम बडी संख्या में देखने को मिल रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार ऊपरी हवाएं पश्चिम से पूर्व की ओर असामान्य गति से बहने लगी हैं। तीन महीने पहले हुई इस घटना ने मौसम विज्ञानियों की चिंता को बढ़ा दिया है। मौसम परिवर्तन का यह व्यवहार पूरी दुनिया को परेशान कर रहा है। अब हालात यहां तक पहुंच चुके हैं, मौसम जिस तरीके से अपने आप में बदलाव कर रहा है, उसने मौसम के जो शक्तिशाली कारण होते थे उनमें भी बदलाव करना शुरू कर दिया है। दुनिया भर में तेजी के साथ चक्रवात बन रहे हैं। बारिश और तापमान में अचानक वृद्धि देखने को मिल रही है। बे-मौसम बारिश हो रही है। बे मौसम तूफान आ रहे हैं। इस परिवर्तन के कारण दक्षिण पूर्व एशिया के वियतनाम, इंडोनेशिया, फिलिपींस विनाशकारी तूफान और बाढ़ से जूझ रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। हिंद महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर का तापमान अभी तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गया है। वायुमंडल की वायु धारा में परिवर्तन मौसम की स्थितियों मे लगातार बदलाव आ रहे हैं। पिछले 1 वर्ष में जिस तरह से मौसम अप्रत्याशित और अनियंत्रित

हो गया है, उसके बाद दुनिया के देशों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण एक तरह से कोहराम देखने को मिल रहा है। वैश्विक जलवायु तंत्र एक ऐसी विषम स्थिति पर पहुंच चुकी है, जहां से जल्द मौसम को नियंत्रित कर पाना किसी के लिए संभव नहीं होगा। भारत में पिछले कुछ वर्षों से प्राकृतिक आपदाओं की घटनायें बड़ी तेजी के साथ बढ़ती चली जा रही हैं। बे मौसम बारिश और तूफान आने के साथ ही दुनिया के देशों में ज्वालामुखी विस्फोट देखने को मिल रहे हैं। बड़ी संख्या में भूकंप का प्रकोप देखने को मिल रहा है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार पृथ्वी की सतह से 20 से 30 किलोमीटर ऊपर बहने वाली हवाएं जो हर 28 से 30 महीने के बीच में अपनी धारा बदलती थी, अब इसमें जल्दी-जल्दी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। मौसम में इन धाराओं में जो परिवर्तन जनवरी और फरवरी माह में देखने को मिलता था, इस साल वह नवंबर माह में ही देखने को मिल रहा है। जिसके कारण भारत सहित वैश्विक स्तर पर, जो मौसम परिवर्तन हो रहा है वह इतना शक्तिशाली है, कि हर जगह अब विनाश देखने को मिल रहा है। वायुमंडल की हवाओं में जिस तरह की टूटन देखने को मिल रही है, उसके कारण तेज गर्म हवाएं सूखा, बादल फटने और हिमस्खलन जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। इसमें भारी जन-धन की हानि हो रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है, अगले एक महीने तक इसका प्रभाव और भी बढ़ेगा। मौसम की यह अस्थिरता 2026 में भी जारी रह सकती है।

इस भारतीय मौसम विभाग ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है, इस साल भारत में सर्दियों का मौसम बड़ा अनियमित रहेगा। जलवायु आपदा की कई घटनाएं भारत में देखने को मिलेंगी। वैज्ञानिक इसे कंपाउंड एक्सट्रीम वेदर नाम दे रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के कारण संकटो की अभी शुरुआत है आगे और भी भयावह स्वरूप देखने को मिलेंगे। पिछले तीन दशकों से जिस तरह से अंधाधुंध तरीके से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, भारत में भी विकास के नाम पर जंगल, पेड़ इत्यादि नष्ट किये जा रहे हैं, पहाड़ों को खोदा जा रहा है, प्राकृतिक संसाधनो के लिए जमीन के अंदर सेकडों फुट गहरी खुदाई की जा रही है, जिस तरह से हथियारों का परीक्षण किया जा रहा है, उसने वैश्विक पर्यावरण को पूरी तरह से तहस-नहस करके रख दिया है। पर्यावरण में बदलाव के कारण मौसम को लेकर जो घटनाएं हो रही हैं, उन्हें वैज्ञानिक शुरुआती बता रहे हैं। समय रहते इसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो आने वाले समय में भारत सहित विश्व की एक बड़ी आबादी मौसम के बेकाबू होने के कारण भारी संकट में पडने जा रही है। विश्व के बड़े देश अपने आपको पर्यावरण की जिम्मेदारी से दूर करते चले जा रहे हैं। अमेरिका जैसे देश सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाते हैं, लेकिन अपनी जिम्मेदारियों का पालन नहीं करते हैं। इस समय सत्ता पर जो लोग बैठे हुए हैं। ज्यादा से ज्यादा कमाई और ताकत बढ़ाने की होड़ में लगे हुए हैं। सत्ता के मद और अहंकार में इस कदर डूबे हुए हैं। वह अपने आपको भगवान समझने लगे हैं। इस स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है, कि यदि पर्यावरण से छेड़छाड़ बंद नहीं की गई, तो आने वाले समय में इसके भारी दुष्परिणाम सारी दुनिया को झेलने पड़ेंगे। वैश्विक मौसम को किसी देश की भौगोलिक सीमा से नहीं बांधा जा सकता है।

हाईकोर्ट के निर्देशों पर आवारा और पालतू कुत्तों में रेबीज रोकथाम के लिए चिरमिरी में चला विशेष टीकाकरण अभियान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नगर पालिका चिरमिरी द्वारा आज पूरे शहर में एंटी रेबीज वैक्सीनेशन अभियान का व्यापक संचालन किया गया। जिसमें बढ़ते संक्रमण और जनस्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से आवारा तथा पालतू दोनों प्रकार के कुत्तों का टीकाकरण किया गया।

इस अभियान को हाल ही में आए हाईकोर्ट के उस महत्वपूर्ण निर्णय के संदर्भ में और अधिक गंभीरता के साथ लागू किया गया। जिसमें न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए थे। कि नगर निकाय नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नियमित रूप से एंटी रेबीज़ टीकाकरण अभियान चलाएँ और शहर में आवारा तथा पालतू कुत्तों के व्यवहार और संक्रमण नियंत्रण की जिम्मेदारी को पूरी तरह सुनिश्चित करें।

हाईकोर्ट ने अपने निर्देशों में कहा था, कि सभी स्थानीय निकाय कुत्तों का अनिवार्य पंजीकरण सुनिश्चित करें, आवारा और पालतू दोनों प्रकार के कुत्तों का नियमित टीकाकरण कराया जाए, टीकाकरण की प्रत्येक प्रक्रिया का रिकॉर्ड बनाए रखा जाए और नगर क्षेत्रों में कुत्तों का सर्वे तथा टैगिंग अनिवार्य रूप से की जाए ताकि संक्रमण फैलने की स्थिति में त्वरित रोकथाम की कार्रवाई की जा सके। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी शहर में कुत्ते के काटने की घटना या संक्रमण की आशंका पर नगर निकाय और स्वास्थ्य विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया अनिवार्य है और देरी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है।

हाईकोर्ट ने नगर निकायों को यह भी निर्देशित किया कि वे नियमित जागरूकता अभियान चलाएँ, नागरिकों को रेबीज़ संक्रमण के खतरों और टीकाकरण की अनिवार्यता के बारे में शिक्षित करें और यह सुनिश्चित करें कि पालतू कुत्तों का समय-समय पर टीकाकरण नहीं कराने वाले पशुपालकों के विरुद्ध आवश्यक कदम उठाए जाएँ। इन्हीं निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए नगर निगम चिरमिरी की स्वास्थ्य विभाग की टीम आज विभिन्न वार्डों, बस्तियों, बाजार क्षेत्रों और मुख्य सड़कों पर पहुंची और बड़ी संख्या में कुत्तों को एंटी रेबीज़ वैक्सीन लगाई। टीम ने पशुपालकों को यह भी बताया कि रेबीज़ एक घातक संक्रमण है जो जानवर से मनुष्य में फैल सकता है और इसी कारण हाईकोर्ट ने इसे स्थानीय निकायों की कानूनी जिम्मेदारी के रूप में घोषित किया है कि वे नियमित वैक्सीनेशन अभियान चलाएँ और पशुपालकों को जागरूक करें।

निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की कि वे अपने पालतू कुत्तों का अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराएँ, समय पर टीकाकरण जरूर करवाएँ और यदि किसी कुत्ते में आक्रामकता, अत्यधिक लार आना, असामान्य व्यवहार, अत्यधिक भय या असामान्य शांति जैसे लक्षण दिखाई दें। तो तुरंत नगर निगम या स्वास्थ्य विभाग को सूचना दें ताकि हाईकोर्ट के निर्देशानुसार तत्काल कार्रवाई की जा सके। नगर निगम चिरमिरी ने यह भी बताया कि आने वाले समय में हाईकोर्ट के आदेशों के अनुपालन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नियमित टीकाकरण शिविर, जन-जागरूकता अभियान और कुत्तों के पंजीकरण की सख्त प्रक्रिया पूरे शहर में निरंतर जारी रखी जाएगी और पालतू कुत्तों का टीकाकरण न कराने पर नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। निगम प्रशासन ने कहा कि शहर को पूरी तरह सुरक्षित और रेबीज़ मुक्त बनाने के लिए प्रशासन और नागरिकों, दोनों की सहयोग आवश्यक है और इसी दिशा में नगर पालिका चिरमिरी लगातार गंभीर प्रयास कर रही है। जिससे स्वास्थ्य सुरक्षा, जन जागरूकता और हाईकोर्ट के निर्देशों का पूर्ण पालन एक साथ सुनिश्चित हो सके।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को समर्पित जिला स्तरीय सम्मान कार्यक्रम 03 दिसंबर को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने, उन्हें समान अवसर एवं अधिकार प्रदान करने तथा समाज के समक्ष उनके सामर्थ्य को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 03 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिला स्तरीय दिव्यांगजन सम्मान समारोह का आयोजन जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के जनपद सभाकक्ष में 03 दिसम्बर 2025 को प्रातः 12 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन समाज कल्याण विभाग जिला मनेन्द्रगढ़द-चिरमिरीद-भरतपुर तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन की सुचारु व्यवस्था हेतु विभागवार दायित्व निर्धारित किए गए हैं।

उप संचालक समाज कल्याण विभाग जिला एमसीबी को भोजन व्यवस्था, सम्मानित किए जाने हेतु सामग्री की व्यवस्था तथा बैनर आदि की तैयारी का दायित्व सौंपा गया है। वहीं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ को दिव्यांगजनों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के सम्मान, अधिकार संरक्षण तथा समाज में उनकी सशक्त भागीदारी को बढ़ावा देना है, जिससे जिले में समावेशी वातावरण का निर्माण हो सके।

मृतक के परिजन को 4 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्राकृतिक आपदा में मृतकों के परिजनों को सहायता प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के परिशिष्ट-1 की कंडिका-6(क)(1) के अंतर्गत तहसील खड़गवां के ग्राम रतनपुर, निवासी ब्रम्हा प्रसाद की तालाब में डूबने से हुई मृत्यु के पश्चात उनके वारिस श्री कुंवर जी को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। यह सहायता राशि पीड़ित परिवार को आपदा की कठिन घड़ी में संबल प्रदान करने हेतु शासन द्वारा प्रदत्त राहत उपायों के अंतर्गत दी गई है।

जिले की सभी उपार्जन केन्द्र से आज 13900.40 क्विंटल हुई धान खरीदी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय ने किसानों को वह सम्मान मिला है जिसकी वे प्रतीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी और 3100 रुपए प्रति क्विंटल के अभूतपूर्व समर्थन मूल्य ने कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा, विश्वास और आर्थिक मजबूती का संचार किया है। इस खरीदी व्यवस्था से न सिर्फ किसानों को आर्थिक लाभ मिला है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में व्यापारिक गतिविधियां तेज हुई हैं, कृषि उपकरणों की खरीद बढ़ी है, पारिवारिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुलभ हुई है और किसान स्वावलंबन की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में जाने से पारदर्शिता और त्वरित आर्थिक लाभ सुनिश्चित हुआ है।

आज जिले के इन 25 उपार्जन केंद्रों में हुई धान खरीदी: आज मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सभी उपार्जन केंद्रों से प्राप्त विवरण के अनुसार धान खरीदी बेहद सफल और सुचारू रही। आज जिले में कुल 273 टोकन दर्ज किए गए जिनमें से समिति द्वारा 240 और टोकन एप्प के माध्यम से 33 टोकन जारी किए गए थे। समिति द्वारा कुल 11768.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई तथा टोकन एप्प द्वारा 2131.60 क्विंटल धान खरीदी की गई, इस प्रकार आज कुल प्राप्त धान की मात्रा 13900.40 क्विंटल रही। उपार्जन केन्द्रवार खरीदी का पूरा विवरण इस प्रकार है - कछौड़ उपार्जन केन्द्र में 6 टोकन से 296.80 क्विंटल, कमर्जी उपार्जन केन्द्र में 8 टोकन से 383.40 क्विंटल, केल्हारी उपार्जन केन्द्र में 27 टोकन से 1066.80 क्विंटल, कोटाडोल उपार्जन केन्द्र में 9 टोकन से 404.00 क्विंटल, रापा उपार्जन केन्द्र में 6 टोकन से 220.40 क्विंटल, कटकोना उपार्जन केन्द्र में 12 टोकन से 618.00 क्विंटल, कोड़ा उपार्जन केन्द्र में 15 टोकन से 695.60 क्विंटल, माड़ीसरई उपार्जन केन्द्र में 17 टोकन से 920.00 क्विंटल और सिंगरौली उपार्जन केन्द्र में 17 टोकन से 809.00 क्विंटल की खरीदी दर्ज की गई। जिले के तीनों विकास खंडों के कुल 25 उपार्जन केन्द्रों से आज 13900.40 क्विंटल धान की खरीदी हुई है।

अमृत सरोवर - जल संरक्षण का नया अध्याय, ग्रामीण विकास का उज्ज्वल भविष्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारत में जल हमेशा से जीवन, संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी रहा है। लेकिन समय के साथ बदलते मौसम, अनियमित वर्षा और भूजल स्तर में लगातार गिरावट ने गाँवों में पानी की उपलब्धता को चुनौतीपूर्ण बना दिया। इसी पृष्ठभूमि में देशभर में शुरू हुए 'अमृत सरोवर' अभियान ने जल-संरक्षण को एक नए स्वरूप और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाया है। यह सिर्फ एक तालाब निर्माण कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी, पर्यावरण-संरक्षण और ग्रामीण विकास का समन्वित मॉडल बन चुका है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रारंभ हुए इस राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य प्रत्येक जिले में अनेक 'अमृत सरोवर' विकसित करना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़े, मिट्टी व जल संरक्षण हो और स्थानीय समुदाय को स्थायी लाभ मिल सके।

लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत छात्राओं को अधिकारों और सुरक्षा की विस्तृत जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार और जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में महिला सशक्तीकरण केंद्र (हब), महिला एवं बाल विकास विभाग एमसीबी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत लिंग आधारित हिंसा समाप्ति हेतु चल रहे 16 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के तहत स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को लिंग आधारित हिंसा, डिजिटल हिंसा, अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्हें बताया गया कि अधिकारों, अवसरों और शिक्षा से किसी भी प्रकार का वंचन न हो, इसके लिए जागरूक व सशक्त होना आवश्यक है, ताकि समाज को हिंसा मुक्त बनाया जा सके।

इस दौरान बाल अधिकार, सामाजिक भेदभाव के सकारात्मक-नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा की गई तथा बालिकाओं को विभिन्न वीरांगनाओं के प्रेरणादायी जीवन से सीख लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को निम्न महत्वपूर्ण योजनाओं और कानूनों की जानकारी भी दी गई-लैंगिक समानता का महत्व, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, सखी वन-स्टॉप सेंटर, संवेदनशीलता एवं साइबर सुरक्षा, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर-181, 1098, 1930, सुकन्या समृद्धि योजना, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 पॉक्सो एक्ट के बारे में जानकारी प्रदान किया गया। पस्थित छात्राओं को विभिन्न योजनाओं से संबंधित ब्रोशर भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम में मिशन शक्ति (हब) के कर्मचारी, सखी केंद्र के सदस्य, महाविद्यालय के प्राचार्य, पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

आचार्यों एवं महात्माओं की उपस्थिति में किया श्रीमद् भगवद् गीता के 15वें अध्याय का सस्वर पाठ

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर जिला स्तरीय गीता महोत्सव कार्यक्रम गांधी पार्क स्थित मानस भवन में भव्यता के साथ मनाया गया। श्रीमद्भागवत गीता के 15वें अध्याय का सस्वर सामूहिक पाठ आचार्यों एवं महात्माओं की उपस्थिति में कराया गया। इस दौरान शंखनाथ, स्वस्तीवाचन, गीता पाठ के उद्देश्य, आशीष वचन किया गया।

सर्वप्रथम आचार्यों एवं महात्माओं की उपस्थिति में जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, पूर्व विधायक प्रहलाद भारती, परशुराम कल्याण बोर्ड के जिला प्रभारी रामलखन मुड़ौतिया, जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव, डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार, डूडा के जिला अधिकारी सौरभ गोड, जिला योजना अधिकारी रोहिनी अवस्थी, भाजपा ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष गिर्राज शर्मा, कृष्णा कुशवाह, सांसद प्रतिनिधि हरिओम राठौर, अमित भार्गव, परशुराम कल्याण बोर्ड के संरक्षक राधेश्याम मुड़ौतिया, जिला महिला अध्यक्ष मीना दुबे, ग्रामीण अध्यक्ष विजय लक्ष्मी मुड़ौतिया, कु.मणिका शर्मा, अभिषेक दुबे, सुतोष शर्मा, गीता प्रतिष्ठानम के ओमप्रकाश शिवहरे, सुनील भार्गव, आचार्य नरोत्तम शर्मा, राधा बल्लभ शुक्ला, ओम प्रकाश समाधिया, डॉ.बासुदेब पाठक, कुलदीप शर्मा, परमानंद शर्मा, अनिल करसौरिया, सुनील उपाध्याय, भूपेन्द्र शर्मा, कौशल गौतम, राज कुमार शर्मा, कैलाश स्वभाव, पुरूषोत्तम गोतम, महात्माओं सहित अन्य जनप्रतिनिधि, स्कूलों के छात्र-छात्राएं, प्राचार्य, शिक्षकगण एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं गीता ग्रंथ की पूजा कर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। आचार्य एवं महात्माओं का शॉल, श्रीफल से सम्मानित किया गया। आचार्य नरोत्तम शर्मा द्वारा गीता महाम्य की संक्षिप्त व्याख्या की गई। इस्कोन के प्रतिनिधियों द्वारा हरे राम हरे कृष्णा का कीर्तन किया गया। पुरूषोत्तम गौतम एवं बासुदेव पाठक द्वारा गीता ग्रंथ पर विचार व्यक्त किए गए। 15वें अध्याय का सस्वर सामूहिक पाठ कर आरती के उपरांत पुष्पांजलि कार्यक्रम उपरांत उपस्थित छात्र-छात्राओं को प्रसाद का वितरण कर कार्यक्रम संपन्न हुआ। आभार अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालक गिरीश मिश्रा एवं हेमलता चौधरी के द्वारा किया गया।

एक बगिया मां के नाम योजना पर महिलाओं को मिला प्रशिक्षण, सीईओ ने दिए तीन दिवस में शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्य प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित 'एक बगिया मां के नाम' योजना की प्रगति की समीक्षा एवं प्रशिक्षण सत्र जिला पंचायत सीईओ विजय राज की अध्यक्षता में सोमवार को जनपद पंचायत पिछोर एवं करैरा के सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर एडिशनल सीईओ एन.एस. नरवरिया, जिला परियोजना प्रबंधक डॉ. अरविंद भार्गव एवं मनरेगा जिला परियोजना अधिकारी विशाल प्रताप सिंह तोमर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में चयनित महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों को तार फेंसिंग, पौधारोपण और सुरक्षा उपायों के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

जिला पंचायत सीईओ श्री राज ने महिलाओं को एक बगिया मां के नाम के संदर्भ में प्रशिक्षण देते हुए बताया कि एक सभी हितग्राही ध्यान दें कि एक बगिया मां के नाम में सुरक्षा, पौधारोपण से पहले करनी हैं तार फेंसिंग हेतु जो ड्राइंग आप लोगों को उपलब्ध कराई गई है उसमें कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है जिसमें प्रमुख तौर पर तार फेंसिंग की लम्बाई 250 मीटर होना चाहिए सीमेंट का पोल 2 मीटर यानि 6 फुट से कम का न हो, ध्यान रखें पोल जमीन में 2 फुट गाडना है और हर 10 फुट पर एक पोल रहेगा और दोनों कोने पर सपोर्टिंग आड़ा पोल लगाना होगा और हर दसवीं पोल पर भी सपोर्टिंग आड़ा पोल रहेगा। सीईओ ने कहा कि कुल 85 से 90 पोल सीधे और 10 से 15 आड़े लगते हैं इसके अलावा पोल में तार बाँधने हेतु पिन लगाना है पांच आडे तार भी डलेगे जिनकी दूरी भूमि से क्रमशः पहला तार 6 इंच, दूसरा तार 8 इंच, तीसरा तार 10 इंच, चौथा तार 14 इंच, पांचवा तार 13 इंच पर रहेगा और आखिर में दो तार क्रासिंग में आएँगे।

गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत बीएलओ द्वारा घर-घर सर्वे कार्य जारी एवं गणना पत्रक किए एकत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और पूर्णतरू त्रुटि-रहित बनाने का कार्य तेजी के साथ जारी है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार बूथ स्तर अधिकारियों को घर-घर जाकर मतदाताओं की वास्तविक स्थिति का सत्यापन करना है और इसी क्रम में ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में बीएलओ लगातार सक्रिय होकर क्षेत्र भ्रमण कर रहे हैं। जनसंख्या एवं मतदान से जुड़ी सूचनाओं की सटीकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीएलओ द्वारा प्रत्येक घर में जाकर गणना पत्रक एकत्रित किए जा रहे हैं। मनेंद्रगढ़ और चिरमिरी तहसील के बीएलओ ने आज क्षेत्र का विस्तृत भ्रमण कर कृष्णा मुरारी तिवारी सहित कई नागरिकों से गणना पत्रक प्राप्त किए और संबंधित जानकारियों का मिलान भी किया। बीएलओ मतदाताओं को यह भी समझा रहे हैं कि सही जानकारी देना क्यों आवश्यक है और एक भी त्रुटि मतदाता सूची की विश्वसनीयता को कैसे प्रभावित कर सकती है। घर-घर सर्वे के दौरान मतदाताओं के नाम, पते, उम्र तथा अन्य आवश्यक तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है, साथ ही नए मतदाताओं के पंजीकरण, मृत व्यक्तियों के नाम हटाने, दोहराई गई प्रविष्टियों के सुधार तथा फॉर्म-6, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है।

बीएलओ ग्रामीणों को आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देकर उन्हें आवेदन भरने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, ताकि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो सके और कोई भी व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। अभियान से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों में जागरूकता बढ़ी है और नागरिक स्वयं भी अपने विवरण सही करने और नए नाम जोड़ने में रुचि दिखा रहे हैं। जिले में चल रहा यह विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहा है क्योंकि अद्यतन और त्रुटि-रहित मतदाता सूची किसी भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सबसे मजबूत नींव मानी जाती है। बूथ स्तर अधिकारियों की सक्रियता और नागरिकों के सहयोग से यह उम्मीद जताई जा रही है कि जिले की मतदाता सूची अधिक सटीक, सुव्यवस्थित और भरोसेमंद रूप में तैयार होगी जिससे चुनाव प्रक्रिया सुचारू तथा पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सकेगी।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेश अनुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश राजेंद्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में तथा रंजना चतुर्वेदी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी के मुख्य आतिथ्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी एवं जिला चिकित्सालय शिवपुरी के समन्वय से एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। उक्त रैली जिला चिकित्सालय शिवपुरी से राजेश्वरी रोड, गुरुद्वारा होते हुए कोर्ट रोड, कलेक्ट्रेट कार्यालय शिवपुरी पर समाप्त हुई। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के जिला क्षय अधिकारी प्रदीप शर्मा एवं अन्य स्वास्थ्य अधिकारी एएनएम कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे। रैली में एड्स जागरूकता एवं रोकथाम संबंधी नारे लगाए गए। कार्यक्रम/ रैली का समापन कलेक्ट्रेट कार्यालय शिवपुरी में अपर कलेक्टर दिनेश कुमार शुक्ला की उपस्थिति में किया गया।

सागर के जरुआखेड़ा में मिले मृतक की हुई शिनाख्त

परिजन, बोले-शराब पार्टी कराने के बाद मारपीट कर निरंजन की हत्या की गई

सागर, एजेंसी। सागर के नरयावली थाना की जरुआखेड़ा पुलिस चौकी क्षेत्र में ग्राम मुड़रा सत्ती घटिया के पास सड़क किनारे मिले शव की पहचान हो गई है। मृतक के परिवार वाले पुलिस थाने पहुंचे। जहां उन्होंने मृतक की पहचान निरंजन सिंह उम्र 40 साल निवासी सरखेड़ी के रूप में की है। उन्होंने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज दिए हैं। पुलिस ने मृतक की पहचान होने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया। मौत का कारण पीएम रिपोर्ट में स्पष्ट हो सकेगा। मामला दर्ज कर पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

दरअसल, 25 नवंबर को जरुआखेड़ा पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम मुड़रा सत्ती घटिया के पास युवक का शव पड़ा मिला था। शव सड़क से करीब 30 मीटर अंदर पड़ा था। ग्रामीणों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मृतक के सिर और चेहरे पर चोटों के निशान मिले थे। शरीर पर घसीटने जैसी खरोंचे थीं। मृतक की पहचान नहीं हुई थी। मृतक के भाई धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि भाई निरंजन 24 नवंबर की रात से लापता थे। उनकी तलाश की। लेकिन मिले नहीं। खुरई थाना में शिकायत करने गए। जहां से जरुआखेड़ा भेजा गया। जरुआखेड़ा चौकी पहुंचे तो एक शव मिलने की जानकारी दी। अस्पताल जाकर शव देखा तो वह भाई निरंजन थे।

शराब पार्टी के बाद ढाबे पर हुआ था विवाद: मृतक के पिता फूलसिंह राजपूत ने आरोप लगाते हुए कहा कि पारिवारिक विवाद के चलते निरंजन सिंह के साथ घटना हुई है। उन्होंने कॉल रिकॉर्डिंग और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज पुलिस को दिए हैं। उन्होंने बताया की 25 नवंबर की रात करीब 1 बजे से 4 बजे तक मृतक निरंजन सिंह और उसके साथ परिवार सहित ग्राम के चार लोग गांव के बाहर एक ढाबे पर शराब पार्टी करते दिखाई दिए हैं।

नर्मदापुरम में दलित युवक की मौत से परिजन आक्रोशित

माखननगर थाने के सामने शव रख प्रदर्शन, पुलिस के खिलाफ की नारेबाजी

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम के माखननगर में रविवार को एक अहिरवार समाज के युवक की मौत से गुस्साए परिजनों ने आक्रोश जताया। आक्रोशित परिजनों ने मृतक का शव माखननगर थाने के सामने रखकर नर्मदापुरम पिपरिया स्टेट हाईवे पर चक्काजाम लगा दिया। करीब एक घंटे से ज्यादा दोपहर 3 बजे से परिजन और उसके समाज के लोग चक्काजाम लगाकर बैठे रहे। इस बीच पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे भी लगे। परिजनों ने मृत जितेंद्र की मौत को साजिश बताया। उनका कहना था कि उसे राकेश सिन्हा और निहाल खान ने उससे मारपीट की है, जिससे उसके सिर में चोट आई। हालांकि पुलिस को राकेश सिन्हा और निहाल खान ने बाइक स्लिप होने की कहानी बताई है, लेकिन परिजनों को मारपीट से आई चोट की आशंका है। करीब एक घंटे से ज्यादा चक्काजाम चला। बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात किया गया। सोहागपुर एसडीओपी संजू चौहान मौके पर पहुंचे। एसडीओपी, थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके ने समझाइश की कोशिश की। लेकिन परिजन एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। एसडीओपी चौहान ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद वैधानिक कार्रवाई होगी।

बाइक स्लिप होने से सिर में चोट, 15 दिन बाद मौत: एसडीओपी संजू चौहान ने बताया जितेंद्र अहिरवार, राकेश सिन्हा, निहाल खान तीनों बाइक से शुक्रवाडा से माखननगर की तरफ आ रहे थे। रास्ते में उनकी बाइक स्लिप हो गई। जिससे जितेंद्र के सिर में गहरी चोट आई, गंभीर हालत में माखननगर लाया गया। माखननगर से नर्मदापुरम और फिर उसे भोपाल रेफर किया गया। रविवार को भोपाल में उसकी मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद शव को दोपहर वो 1 बजे रवाना किया। माखननगर में परिवार एवं समाजजनों ने थाने के सामने शव को सड़क पर रख चक्काजाम शुरू कर दिया। मांग है कि मृत्यु का कारण कोई सड़क दुर्घटना नहीं है, उसको मारा गया है, जिसकी जांच कर तत्काल एफआईआर दर्ज हो। एसडीओपी चौहान ने जांच कर वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजनों ने शव हटाया। शाम 6 बजे माखननगर में शव का अंतिम संस्कार हुआ।

एक दिन पहले हुआ था विवाद: मृत जितेंद्र अहिरवार, निहाल खान और राकेश सिन्हा के पास डीजे साउंड पर काम करता था। जितेंद्र के छोटे भाई मनीष का कहना है कि 14 नवंबर को भाई के घायल होने से एक दिन पहले 13 नवंबर को जितेंद्र अहिरवार का राकेश और निहाल के साथ विवाद हुआ था।

देवास में बाइक टकराईं, एक की मौत

शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था दिलीप पशु चिकित्सक का बेटा था

देवास, एजेंसी। देवास में एक सड़क हादसे में 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। वह अपने ससुराल में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। यह घटना बुदासा के समीप हुई, जब दिलीप यादव अपनी बाइक से भौंरासा की ओर जा रहे थे। सामने से आ रही एक अन्य बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे में दिलीप गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एम्बुलेंस से टोंकखुर्द ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रविवार रात करीब 8:30 बजे देवास जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान नांदेल निवासी दिलीप पिता मन्नालाल यादव (40) के रूप में हुई है। वह एक निजी पशु चिकित्सक थे और उनका एक बेटा है। सोमवार को जिला अस्पताल में मृतक का पोस्टमार्टम किया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एलएनटी ऑफिस में 7 फीट लंबा रसल वाइपर घुसा

सिंगरौली में वन विभाग ने रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

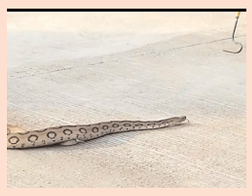

सिंगरौली, एजेंसी। सिंगरौली के जिला मुख्यालय बैढ़न के बलियरी इलाके में स्थित एलएनटी कंपनी के कार्यालय में गुरुवार सुबह एक जहरीला सांप घुसने से हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने जैसे ही कार्यालय में एक बड़े आकार का सांप देखा, वे डरकर बाहर भागे और तत्काल वन विभाग को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम सांप रेस्क्यूअर राकेश तिवारी के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। टीम ने लगभग 7 फीट लंबे रसल वाइपर को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया। यह सांप अत्यंत जहरीला माना जाता है और इसके डसने से व्यक्ति की जान को गंभीर खतरा हो सकता है।

राकेश तिवारी ने बताया कि रसल वाइपर शहर के आसपास के इलाकों में अक्सर देखा जाता है, लेकिन आबादी वाले क्षेत्रों और कार्यालय जैसी जगहों में इसका प्रवेश बेहद खतरनाक स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने कर्मचारियों की सतर्कता और समय पर सूचना देने की सराहना की, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। वन विभाग की टीम ने सांप को काबू में करने के बाद उसे सुरक्षित स्थान पर जंगल में छोड़ दिया, ताकि वह अपने प्राकृतिक आवास में वापस जा सके। वन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी ऐसा कोई जहरीला सांप दिखाई दे तो स्वयं कोई जोखिम न लें। इसके बजाय, तुरंत विभाग को सूचित करें। सावधानी और सतर्कता ही ऐसे खतरों से बचने का सबसे बड़ा उपाय है।

बुरहानपुर में घर से 252 लीटर अवैध शराब जब्त

हिंगलाज माता मंदिर के पास चल रहा था कारोबार, आरोपी गिरफ्तार; 1.20 लाख का माल मिला

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर में कोतवाली थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक घर से 252 लीटर अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर आरोपी गणेश वारूड़े को गिरफ्तार किया है। उसके पास से देसी शराब और गोवा व्हिस्की की कुल 28 पेटियां मिली हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 1.20 लाख रुपए है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह शराब दाउदपुरा स्थित हिंगलाज माता मंदिर के पास आरोपी गणेश वारूड़े के घर में छिपाकर रखी गई थी। पुलिस ने जब दबिश दी तो मौके से देसी शराब टेंगो पंच और गोवा व्हिस्की की कुल 28 पेटियां बरामद हुईं।

बेचने की फिराक में था आरोपी: कोतवाली थाना प्रभारी एसआर सोलंकी ने बताया कि रविवार को उन्हें सूचना मिली थी कि आरोपी गणेश वारूड़े अपने घर में अवैध शराब रखकर उसे बेचने की फिराक में है। इसके बाद पुलिस टीम ने तुरंत दबिश दी और आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी गणेश वारूड़े के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34-2 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक विनोद गौड़, प्रधान आरक्षक राकेश शर्मा, दारा सिंह और मातादीन सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

सतना में लूट-हत्या का आरोपी गिरतार

ढाई माह से था फरार, 10 हजार का इनाम था घोषित, कोर्ट ने जेल भेजा

सतना, एजेंसी। सतना की कोलगवां थाना पुलिस ने लूट और हत्या के एक प्रमुख आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी आयुष द्विवेदी उर्फ बेटू किंग (22) ढाई माह से फरार था और उस पर पुलिस अधीक्षक ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। पुलिस ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। यह मामला 4 सितंबर को बिड़ला रोड स्थित एफसीआई गेट के सामने हुई वारदात से संबंधित है। यहां लूट के इरादे से सत्यम शुक्ला की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहे थे। एसपी ने ने मुख्य आरोपी पर इनाम घोषित किया था। पुलिस ने सतना शहर के सिद्धार्थ नगर स्थित नाना हरिविलास गर्ग के मकान पर दबिश देकर आयुष द्विवेदी को पकड़ा। आरोपी मूल रूप से कोलगवां थाना क्षेत्र के बराखुर्द का निवासी है। इस प्रकरण में पुलिस अब तक चार अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। आयुष द्विवेदी की गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले के सभी आरोपी पकड़े जा चुके हैं। पुलिस ने आरोपी से फरियादी का लूटा हुआ ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है।

मुस्कान अभियान : दो नाबालिग लड़कियां बरामद

पुलिस ने दो अलग मामलों में आरोपियों को किया गिरफ्तार

सीहोर, एजेंसी। सीहोर पुलिस ने मुस्कान विशेष अभियान के तहत दो नाबालिग लड़कियों को बरामद किया है। इन दोनों मामलों में आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला और एसडीओपी रोशन कुमार जैन के मार्गदर्शन में गोपालपुर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की।

पहला मामला 2 दिसंबर को दर्ज किया गया था, जब एक फरियादी ने अपनी नाबालिग बहन के लापता होने की रिपोर्ट दी। उसने बताया कि अल्लू नामक युवक उसे बहला-फुसलाकर ले गया है। इस पर धारा 137(2) ब्नह्स के तहत मामला दर्ज किया गया।

गठित टीम ने नाबालिग को रायसेन जिले के सियरमऊ निवासी 22 वर्षीय अल्लू पिता दुर्जन अहिरवार के कब्जे से बरामद किया। पूछताछ के बाद आरोपी के खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरा प्रकरण 25 अप्रैल का है, जहां एक फरियादी ने अपनी नाबालिग बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

हल्की धूप के बाद भी सुबह-शाम कड़ाके की ठंड

छतरपुर में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री, अगले हफ्ते 2 डिग्री और लुढ़केगा पारा

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर जिले में सोमवार को मौसम का मिजाज बदला नजर आया। दिनभर आसमान साफ रहने और हल्की धूप निकलने से तापमान में करीब 1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, इसके बावजूद सुबह और शाम को कड़ाके की ठंड बरकरार है। सोमवार को जिले का न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले एक सप्ताह में ठंड और बढ़ने के आसार हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो बीते गुरुवार (27 नवंबर) को न्यूनतम तापमान 14 डिग्री और अधिकतम 26 डिग्री सेल्सियस था। वहीं, सोमवार को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री और अधिकतम 25 डिग्री सेल्सियस रहा। आसमान में अभी भी हल्के बादल छाए हुए हैं।

सोमवार को हवा की रफ्तार लगभग 2 किलोमीटर प्रति घंटा मापी गई। मौसम में 49 प्रतिशत नमी दर्ज की गई और 10 प्रतिशत बारिश की संभावना भी बनी हुई है। दिन में धुंध के बीच हल्की धूप निकलती रही।

अगले हफ्ते 2 डिग्री और गिरेगा तापमान: मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले एक सप्ताह में तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। इससे जिले में ठंड का प्रकोप और बढ़ने की पूरी संभावना है।

दिन में हेडलाइट जलाकर चल रहे वाहन: ठंड और कोहरे का असर जनजीवन पर साफ दिख रहा है। कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम होने से दोपहिया और चारपहिया वाहनों को दिन में भी लाइट जलाकर चलना पड़ रहा है। लोग गर्म कपड़े, मफलर और जैकेट पहनकर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। बारिश के आंकड़ों की बात करें तो पिछले साल 40.4 इंच बारिश दर्ज की गई थी, जबकि इस साल अब तक 53.6 इंच बारिश हो चुकी है।

प्रेमी जोड़े ने मंदिर में रचाई शादी, मांगी सुरक्षा

परिजनों ने किया विरोध, पुलिस बोली-अब हम संभालेंगे मामला

रीवा, एजेंसी। रीवा में एक प्रेमी जोड़े ने समाज के विरोध के बीच मंदिर में शादी रचाकर नया मोड़ ला दिया। विवाह के तुरंत बाद प्रेमी संदीप जायसवाल और प्रेमिका पायल साहू रविवार देर रात सीधे सिटी कोतवाली थाना पहुंचे और पुलिस से सुरक्षा मांगी। दोनों ने बताया कि उनके घर वाले इस रिश्ते के खिलाफ थे और वे अलग-अलग समाज से आते हैं, इसी कारण परिवार शादी के लिए तैयार नहीं थे।

जानकारी के मुताबिक युवती पायल साहू, मूल निवासी व्यवहारी जिला शहडोल (वर्तमान पता रानी तालाब, रीवा) और संदीप जायसवाल, निवासी रानी तालाब- पिछले 3-4 वर्षों से एक-दूसरे से प्रेम करते थे। रिश्ते को आगे बढ़ाने की बात जब घरों में पहुंची तो परिजनों ने इसे मंजूरी नहीं दी। विरोध बढ़ता गया और हालात ऐसे बने कि दोनों ने अलग समाज होने की वजह से दबाव और विवाद की आशंका के चलते घरवालों के खिलाफ जाकर अपना फैसला खुद लेने का निर्णय लिया।

परिजनों के विरोध के बीच दोनों ने सतना के एक मंदिर में विवाह किया। शादी के बाद रविवार देर रात दोनों रीवा सिटी कोतवाली पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। थाने में प्रेमी जोड़े ने स्पष्ट कहा कि उन्होंने अपनी मर्जी से शादी की है और किसी तरह के दबाव में नहीं हैं। साथ ही उन्होंने पुलिस से गुहार लगाई कि परिवार की प्रतिक्रिया को देखते हुए उन्हें सुरक्षा दी जाए ताकि वे सुरक्षित तरीके से साथ रह सकें।

थाने में दोनों पक्षों के परिजन भी मौजूद रहे। पुलिस ने प्रेमी जोड़े और परिजनों से बात की, पूरे मामले को संवेदनशील मानते हुए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं।

खरगोन में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, दो की मौत

बिजली के खंभे लाते समय हादसा, 5 लोग गंभीर घायल

खरगोन, एजेंसी। खरगोन में रविवार रात खापर जामली में बिजली के खंभे ले जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान रायसागर गांव निवासी 16 वर्षीय डिगडा पिता जंगलिया और 35 वर्षीय सुरेश पिता राजाराम के रूप में हुई है। घटना भगवानपुरा थाना क्षेत्र की सिरवेल पुलिस चौकी अंतर्गत खापर जामली में हुई।

ग्रामीणों के अनुसार, ये लोग रायसागर गांव में बिजली की लाइन डालने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली में खंभे भरकर ला रहे थे। खापर जामली के पास ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ। हादसे में घायल हुए पांच लोगों को खरगोन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी घायलों के हाथ-पैरों में फ्रैक्चर आए हैं और उन्हें शरीर के अंदरूनी हिस्सों में भी चोटें लगी हैं। उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

पिकअप को रोक ली तलाशी, मिली 200 पेटी बियर

6 लाख से अधिक की कीमत; नागदा व इंदौर के दो आरोपी गिरतार

रतलाम, एजेंसी। रतलाम पुलिस द्वारा अवैध शराब परिवहन को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बरखेड़ी फंटा ढोढर के पास पुलिस ने बोलेरो पिकअप को रोक कर जांच की तो उसमें से 200 पेटी अवैध बियर मिली। पुलिस ने पिकअप से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक पिकअप में अवैध शराब ले जाई जा रही है। सूचना पर ढोढर पुलिस चौकी ने घेराबंदी कर पिकअप क्रमांक एमपी 09 ता॥ 8292 को रोक कर तलाशी। जांच के दौरान पिकअप में 200 पेटी बीयर कुल 2400 बल्क लीटर जप्त की। बियर की कीमत लगभग 6 लाख 24 हजार रुपए है।

गाड़ी में सवार देवेन्द्र पिता रघुवीर सिंह नरुका (20) निवासी ग्राम नायन, बिरला ग्राम नागदा, जिला उज्जैन एवं नदीम (35) पिता शकील अहमद अंसारी निवासी बेरी मैदान बुरहानपुर, हाल मुकाम चंदन नगर, इंदौर को पकड़ा गया। पिकअप को भी जप्ती में लिया।

रिंगनोद थाना पुलिस ने उक्त दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया। पुलिस आरोपियों से अवैध शराब के स्त्रोत एवं सप्लाई नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है। संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है।

मेरा करियर एक फॉर्मेट तक सीमित है : विराट कोहली

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद विराट कोहली की टेस्ट फॉर्मेट में फिर से वापसी की चर्चा शुरू हो गई थी। रांची वनडे में विराट के शतक के बाद उनकी टेस्ट वापसी की चर्चा और जोर-शोर से शुरू हुई, लेकिन विराट ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। विराट कोहली ने रांची वनडे के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान यह स्पष्ट कर दिया कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर अब सिर्फ एक फॉर्मेट, वनडे, तक सीमित है, उससे आगे कुछ नहीं। विराट से पूछा गया कि क्या उनका इरादा सिर्फ वनडे में ही खेलना है, तो उन्होंने कहा, हां, और हमेशा ऐसा ही

रहेगा। मैं सिर्फ एक तरह का गेम खेल रहा हूं।

कोहली ने समझाया, अगर आपने 300 के आस-पास गेम खेले हैं, तो आपको पता होता है कि लंबे समय तक बैटिंग करने की फिजिकल क्षमता कब होती है। जब तक आप बॉल को अच्छी तरह से हिट कर रहे हैं, यह फिजिकली फिट, मेंटली तैयार और एक्साइटेड होने के बारे में है। कोहली के इस बयान से स्पष्ट हो गया कि उनका ध्यान वनडे विश्व कप 2027 पर है। विराट ने रांची वनडे में 120 गेंद पर 135 रन की पारी खेली। विराट का यह 52वां वनडे शतक था। इस पारी में विराट ने 7 छक्के और 11 चौके लगाए और मैच में भारत को 17 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें उनकी बेहतरीन शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 349 रन बनाए थे। विराट कोहली के 135 के अलावा, रोहित शर्मा ने 57 और कप्तान केएल राहुल ने 60 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा ने 32 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका मैथ्यू ब्रिट्ज्के के 72, मार्को जानसेन के 39 गेंद पर 3 छक्के और 8 चौकों की मदद से 70 और कॉर्बिन बोश ने 51 गेंद पर छक्के और 5 चौकों की मदद से 67 रन की पारी के बावजूद 49.2 ओवर में 332 रन पर सिमट गई और 17 रन से मैच हार गई।

रांची वनडे में 17 रन से जीती भारतीय टीम, लड़कर हारी दक्षिण अफ्रीका

रांची, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम, रांची में खेले गए पहले वनडे में 17 रन से हराकर 3 तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 349 रन बनाए थे। विराट कोहली ने शतक लगाते हुए 135 रन की पारी खेली। वनडे में विराट का यह 52वां शतक था। रोहित शर्मा ने 57 और कप्तान केएल राहुल ने 60 रन की पारी खेली। रवींद्र जडेजा ने 32 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्को जानसेन, नांद्रे बर्गर, कॉर्बिन बोश और बार्टमैन ने 2-2 विकेट लिए।

350 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने अपने शुरुआती 3 विकेट सिर्फ 11 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद आने वाले बल्लेबाजों ने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी करते हुए स्कोर को आगे बढ़ाया और छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए पारी को लक्ष्य के नजदीक ले गए। मैथ्यू ब्रिट्ज्के ने 80 गेंद पर 1 छक्का और 8 चौकों की मदद से 72, मार्को जानसेन ने 39 गेंद पर 3 छक्के और 8 चौकों की मदद से 70 और कॉर्बिन बोश ने 51 गेंद पर 4 छक्के और 5 चौकों की मदद से 67 रन की पारी खेली। पी सुब्रायन और नांद्रे बर्गर ने 17-17 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भी जीवटता दिखाई और आखिरी 2 विकेट के लिए 62 रन जोड़े। हालांकि निचले क्रम के बल्लेबाजों का प्रयास पर्याप्त साबित नहीं हुआ। पूरी टीम 49.2 ओवर में 332 रन पर सिमट गई और 17 रन से मैच हार गई। भारतीय टीम की तरफ से कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे। कुलदीप ने 10 ओवर में 68 रन देकर 4 विकेट लिए। हर्षित राणा ने 10 ओवर में 65 रन देकर 3 और अर्शदीप सिंह ने 10 ओवर में 64 रन देकर 2 विकेट लिए। जीत के साथ भारत सीरीज में 1-0 से आगे हो गया है। दूसरा वनडे रायपुर में 3 दिसंबर को खेला जाएगा।

प्रीमियर लीग : चेल्सी ने आर्सेनल को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

लंदन, एजेंसी। प्रीमियर लीग में आर्सेनल ने चेल्सी के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला। इस मुकाबले के शुरुआती आधे घंटे में चेल्सी ने दबदबा बनाए रखा। आर्सेनल होम टीम के लिए मुश्किलें खड़ी करती रहीं। इस दौरान ब्लूज ने कई मौके बनाए। मुकाबले के 38वें मिनट में मोइसेस कैसेडो को मिकेल मेरिनो पर टैकल करने के लिए सीधे रेड कार्ड मिला। यहां से चेल्सी ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना जारी रखा। इसके बावजूद ब्लूज ने आक्रामक खेल जारी रखा। ट्रेवोह चलोबा ने हाफ टाइम के ठीक बाद रीस जेम्स के कॉर्नर पर हेडर मारकर चेल्सी को मुकाबले के 48वें मिनट बढ़त दिलाई।

यहां से आर्सेनल ने तेज खेल दिखाया और मुकाबले के 59वें मिनट में मिकेल मेरिनो ने गोल दागते हुए टीम को 1-1 से बराबरी पर ला दिया। यह मुकाबले का अंतिम गोल साबित हुआ। आर्सेनल इस समय प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। इस टीम के पास 30 प्वाइंट्स हैं। वहीं, चेल्सी ने 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर कब्जा जमा रखा है। एक अन्य मुकाबले के दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड ने क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। जीन-फिलिप माटेटा ने पहले हाफ में दो बार पेनल्टी लेकर पैलेस को लीड दिलाई। मुकाबले के 36वें मिनट में क्रिस्टल पैलेस ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली।

मुकाबले के 54वें मिनट में जोशुआ जिर्कजी ने गोल दागते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड को मुकाबले में बराबरी पर ला दिया और नौ मिनट के अंदर मैनचेस्टर ने बढ़त भी हासिल कर ली। मेसन माउंट ने 63वें मिनट में विजयी गोल दागा।

विराट कोहली की बल्लेबाजी से खुश गावस्कर, बताया क्या है रन-मशीन की ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली के अनुशासित और सोचे-समझे तरीके को सराहा है, जिन्होंने रविवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच के दौरान 135 रन की पारी खेली थी। भारत ने इस मुकाबले को अपने नाम करते हुए तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बनाई। कोहली को %प्लेयर ऑफ द मैच% चुना गया। विराट कोहली ने 120 गेंदों में 11 चौकों और 7 छक्कों के साथ 135 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर भारत ने 8 विकेट खोकर 349 रन बनाए, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 49.2 ओवरों में 332 रन पर सिमट गई। कोहली की तकनीक और मिजाज पर बात करते हुए गावस्कर ने कहा है कि भारत का यह करिश्माई खिलाड़ी इसलिए सफल होता है क्योंकि वह अपने खेल को किसी और से बेहतर समझता है।

गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा, वह (कोहली) उस तरह के बल्लेबाज हैं जो सीधे धमाका नहीं कर सकते। कुछ बल्लेबाज ऐसा कर सकते हैं, लेकिन कोहली अपने खेल को अच्छी तरह जानते हैं। वह जानते हैं कि यह उनकी ताकत नहीं है। उनकी ताकत कवर्स के ऊपर से शॉट मारना, स्ट्रेट ड्राइव और फ्लिक शॉट खेलना है। हां, वह कभी-कभी स्क्वायर-लेग या मिड-विकेट के ऊपर से बॉटम-हैंड फ्लिक खेलकर छक्का मारते हैं, यह बैटिंग करने का सबसे सुरक्षित तरीका है। गावस्कर ने कोहली की विकेटों के बीच शानदार रनिंग का जिक्र किया है। गावस्कर ने कहा, विकेटों के बीच रनिंग बहुत जरूरी है। सिंगल्स किसी भी फॉर्मेट में बैटिंग की जान होते हैं। आप सिंगल्स लेते रहें और आपकी पारी चलती रहे। भले ही दूसरे छोर पर बल्लेबाज जल्दी रन बनाना चाहते हों, कोहली टीम की जरूरत के हिसाब से बैटिंग करते हैं। टेस्ट सीरीज 0-2 से गंवाने के बाद टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज का अगला मुकाबला 3 दिसंबर को रायपुर में खेला जाना है।

अफरीदी लप्पेबाज था, रोहित शर्मा का रिकॉर्ड ज्यादा अहमः अतुल वासन

गुरुग्राम, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के दो पूर्व कप्तानों, रोहित शर्मा और विराट कोहली, ने रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में बेहतरीन बल्लेबाजी की। पूर्व क्रिकेटर अतुल वासन ने दोनों दिग्गजों की जमकर तारीफ की है। रांची वनडे में रोहित शर्मा ने वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के शाहीद अफरीदी के रिकॉर्ड को तोड़ा। अतुल वासन ने कहा कि शाहीद अफरीदी निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए आते थे। वह लप्पेबाज थे। निचले क्रम में उन्हें सिर्फ हिट ही करना होता था। इसके विपरीत, रोहित ने बतौर ओपनर सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। रोहित का रिकॉर्ड ज्यादा अहम है। रोहित छक्के लगाने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने इस प्रतिभा के दम पर भारत को पहले भी मैच जिताए हैं। अतुल वासन ने विराट कोहली के बारे में कहा, वे अच्छे बल्लेबाज हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने शतक लगाया। वनडे फॉर्मेट में खेलने का उनका अपना एक तरीका है। वे पहले भी ऐसी पारियां खेलते रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि टेस्ट सीरीज में हार के बाद भारतीय टीम बदले की भावना से वनडे सीरीज में उतरी है। अच्छी बात है। भारतीय टीम ने अच्छा स्कोर बनाया है, लेकिन हमें गेंदबाजी अच्छी करनी होगी। रांची की पिच अच्छी है। दक्षिण अफ्रीका लक्ष्य हासिल करने की क्षमता रखती है। दक्षिण अफ्रीका पुरानी वाली टीम नहीं रही। पहले इस टीम के पास बेशक बड़े खिलाड़ी थे, लेकिन मौजूदा टीम में जो खिलाड़ी हैं, उनमें जीतने का माद्दा है। दक्षिण अफ्रीका अब चोकर्स नहीं रही। इसमें टीम के कप्तान का अहम रोल रहा है।

रांची वनडे में रोहित शर्मा ने 51 गेंद पर 3 छक्के और 5 चौके की मदद से 57 रन बनाए। रोहित वनडे फॉर्मेट में अब सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित के अब 277 मैच की 269 पारी में 352 छक्के हो चुके हैं। दूसरे नंबर पर शाहिद अफरीदी हैं जिनके 398 मैच की 369 पारी में 351 छक्के हैं। विराट कोहली ने 120 गेंद पर 7 छक्के और 11 चौके लगाते हुए 135 रन की पारी खेली। कोहली के वनडे करियर का यह 52वां और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छठा शतक था। विराट के शतक और रोहित के अर्धशतक की बदौलत भारत ने रांची वनडे में 349 रन बनाए।

लंदन शतरंज क्लासिक ओपन - प्रज्ञानन्दा का दूसरा ड्रा, प्रणव आनंद नें बनाई एकल बढ़त

लंदन, एजेंसी। भारत के नंबर दो शतरंज खिलाड़ी आर प्रज्ञानन्दा नें लंदन चैस क्लासिक ओपन में लगातार तीन जीत के बाद लगातार दो बाजियाँ ड्रा खेले है । चौथे राउंड में प्रज्ञानन्दा नें सफेद मोहरो से खेलते हुए हमवतन प्रणव आनंद से बाजी ड्रा खेली । रूई लोपेज ओपनिंग में लगातार मोहरो की अदला बदली के बीच 32 चालों में दोनों खिलाड़ी ड्रा पर सहमत हो गए । वहीं पाँचवें राउंड में प्रज्ञानन्दा नें हंगरी के ग्रैंड मास्टर तामस फ़ोडोर से काले मोहरो से खेलते हुए इंग्लिश ओपनिंग में सिर्फ़ 21 चालों में ड्रा खेला । ध्यान रहे की प्रज्ञानंदा को इस स्पर्धा में शीर्ष 3 में स्थान बनाने का लक्ष्य हासिल करना होगा ताकि वह फ़ीडे कैंडिडेट में अपनी जगह बना सके । वहीं भारत के प्रणव आनंद नें तीसरे बोर्ड पर तीसरे वरीय स्पेन के यूफ़ा डेनियल को पराजित करते हुए 4.5 अंक बनकर पाँच राउंड के बाद एकल बढ़त बना ली है । अब छठे राउंड में प्रणव का सामना सफेद मोहरो से दूसरे वरीय सर्बिया के इविक वेलीमीर से और प्रज्ञानन्दा का सामना सफेद मोहरो से इजराइल के रोज़ेन आयतन से होगा ।

धोनी के शहर में कोहली का जादू, रांची वनडे में मचा धमाल, सुरक्षा तोड़ फैन ने किया दंडवत

रांची, एजेंसी। धोनी के शहर में रविवार को विराट कोहली का ऐसा जादू चला कि पूरी रांची झूम उठी। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे का माहौल एक समय ऐसा हो गया, मानो पूरा स्टेडियम विराट के नाम पर ही सांस ले रहा हो। उनके हर चौके-छक्के के साथ %कोहलीज कोहलीज% की गूंज आसमान तक उठती रही। स्टार बल्लेबाज ने 135 रन की दमदार पारी खेलते हुए अपना 52वां वनडे शतक जड़ा। कोहली किसी एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। दर्शकों का उत्साह इस कदर था कि एक युवा फैन सुरक्षा घेरा चीरते हुए पिच तक पहुंच गया और कोहली के पैरों पर गिरकर दंडवत हो गया। कुछ क्षणों के लिए मैदान में सन्नाटा-सा छा गया। सुरक्षाकर्मी तेजी से हरकत में आए, कैमरों का फोकस उस पर टिक गया, और दर्शकों की धड़कनें थम गईं। रोहित शर्मा (57) और लोकेश राहुल (60) की आतिशी बल्लेबाजी का भी दर्शकों ने भरपूर लुत्फ उठाया। मैच शुरू होने से पहले ही स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ उमड़ने से अफरातफरी का माहौल रहा।

हजारों लोग घंटों पहले ही गेट पर जुट गए थे। भीड़ के दबाव के चलते प्रवेश द्वारों पर धक्का-मुक्की की स्थिति पैदा हुई, जिससे कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया।

पुलिस और सुरक्षा बलों को व्यवस्था नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त जवान लगाने पड़े। हरमू बाईपास, बिरसा चौक, और आसपास की सभी सड़कें घंटों जाम रहीं। स्टेडियम पहुंचने वाले फैंस तिरंगे में लिपटे, चेहरों पर पेंट लगाए और हाथों में कोहली की जर्सी थामे नाचते-गाते दिखे। उनके चेहरों पर एक ही चमक थी, अपने स्टार को खेलते देखने की खुशी। रांची ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यहां क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, जुनून और भावनाओं की धड़कन है, और जब क्रीज पर विराट कोहली जैसा बल्लेबाज हो तो यह जुनून अपने चरम पर पहुंच जाता है।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटीज 2025 : जीएनडीयू शूटर आशी चौकसे ने टीम की साथी सिफ्ट कौर को हराकर लगातार चौथा केआईयूजी गोल्ड जीता

नई दिल्ली, एजेंसी । एसपीपीयू की सिद्धि शिर्के ने कलाई में फ्रैक्चर के बाद साइकिलिंग में पॉइंट रेस जीती गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 30 गोल्ड मेडल के साथ पदक तालिका में टॉप पर बनी हुई है जयपुर। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी की आशी चौकसे ने रविवार को जगतपुरा शूटिंग रेंज में जारी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में अपनी टीम की साथी और ओलंपियन सिफ्ट कौर समरा को हराकर लगातार चौथा केआईयूजी गोल्ड मेडल जीता।

केआईयूजी 2025 का पांचवां एडिशन राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है। 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल खेलों में मुकाबला कर रहे हैं। ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के तहत राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स कार्उंसिल के सहयोग से हो रहे हैं और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी इन्हें होस्ट कर रही है।

23 साल की आशी (जो 2022 एशियन गेम्स की मेडलिस्ट हैं) ने 50मी फाइनल में शुरू से आखिर तक लीड किया और 462.3 पॉइंट्स के फाइनल स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने अपनी सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी को 2.7 पॉइंट्स से हराया।

असल में, आशी आखिरी चार शॉट में सिफ्ट से चार पॉइंट से ज़्यादा आगे थीं, लेकिन आखिर में उन्होंने 10 से कम के दो शॉट लगाए,

लेकिन इससे उनके गोल्ड मेडल जीतने के मौके पर कोई असर नहीं पड़ा।

गोल्ड मेडल जीतने के बाद आशी ने साई मीडिया से कहा, मैं स्कोर पर बिल्कुल भी फोकस नहीं कर रही थी। मैंने पिछले तीन सालों से केआईयूजी में गोल्ड मेडल जीता था और मैंने पक्का इरादा कर लिया था कि इस बार गोल्ड नहीं गंवाना है। इसलिए मैं सिर्फ अपनी शूटिंग पर फोकस कर रही थी और सिर्फ आखिरी कुछ शॉट में ही मैंने स्कोर पर ध्यान दिया। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने 10मी एयर पिस्टल टीम में भी गोल्ड जीता, जबकि साइक्लिस्ट निया सेबेस्टियन ने महिलाओं की केरिन रेस जीतकर अपने गोल्ड मेडल की संख्या 30 कर ली।

केएलईएफ यूनिवर्सिटी के मुकेश नेलावल्ली ने 10मी एयर पिस्टल इंडिविजुअल में 243.3 पॉइंट्स के फाइनल स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने पेरिस ओलंपिक्स के ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट सरबजोत सिंह को हराया, जिन्होंने फाइनल में 220.8 पॉइंट्स बनाकर ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। सिल्वर मेडल पंजाब यूनिवर्सिटी के आदित्य मालरा ने 240.2 के स्कोर के साथ जीता।

इस बीच, सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी साइक्लिंग प्रतियोगिता के आखिरी दिन दो गोल्ड मेडल जीतकर छठे स्थान पर पहुंच गई। उनके कुल गोल्ड मेडल की संख्या छह हो गई।

पुणे यूनिवर्सिटी की सिद्धि शिर्के, जो दाहिनी कलाई में फ्रैक्चर के बावजूद मुकाबला कर रही थीं, ने विमेंस पॉइंट रेस जीती, जबकि मगेश टकमोगे ने मेन्स के केरिन कॉम्पिटिशन में टॉप जगह हासिल की।

शिर्के, जो अपने पहले खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में हिस्सा ले रही थीं, ने कहा, पिछले महीने एक रोड रेस की ट्रेनिंग के दौरान, मुझे और मेरे कोच को एक बाइक ने टक्कर मार दी, जिससे मेरे शरीर पर चोटें आईं और मेरी कलाई में भी फ्रैक्चर हो गया। पिछले हफ्ते प्लास्टर हटा और हालांकि दर्द अभी भी है और मोबिलिटी उतनी अच्छी नहीं है, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं आज गोल्ड मेडल जीत पाई।

यूनिवर्सिटी ऑफ़ केरल के अद्वैत शंकर (एसएस) ने मेन्स पॉइंट रेस में गोल्ड मेडल जीता, जबकि पुणे यूनिवर्सिटी के सिद्धेश पाटिल और किशोर भारतीदासन यूनी ने गोल्ड मेडल जीता।

परिणाम-

साइक्लिंग = महिलाएं

पॉइंट रेस= गोल्ड सिद्धि शिर्के (एसएपपीयू); सिल्वर रिंकू भांभू (एलपीयू); ब्रॉन्ज़ योगेश्वरी कदम (शिवाजी यूनिवर्सिटी)

केरिन =

गोल्ड निया सेबेस्टियन (जीएनडीयू); सिल्वर शांति बिस्वास (एलपीयू); ब्रॉन्ज़ पूजा श्वेता (भारतियार यूनिवर्सिटी)

पुरुष

पॉइंट रेस= गोल्ड अद्वैत शंकर (यूनि ऑफ़ केरल); सिल्वर सिद्धेश पाटिल (एसपीपीयू); ब्रॉन्ज़ किशोर (भारतीदासन यूनिवर्सिटी)

केरिन =गोल्ड मगेश टकमोगे (एपीपीयू); सिल्वर मंथन लेट (एसपीपीयू); ब्रॉन्ज़ अजय बिश्नोई (एलपीयू)।

फुटबॉल (ग्रुप स्टेज)

पुरुष= गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने आईआईएमटी यूनिवर्सिटी, मेरठ को 3-0 से हराया; एडमस यूनिवर्सिटी ने अन्नामलाई यूनिवर्सिटी को 3-1 से हराया

भारत ने साउथ अफ्रीका को 17 रन से हराया, सीरीज़ में 1-0 की बढ़त

रांची, एजेंसी। पहले वनडे में भारत ने साउथ अफ्रीका को 17 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज़ में 1-0 की बढ़त बना ली। रविवार को खेले गए मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाज़ी चुनी, लेकिन भारतीय बल्लेबाज़ों ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए बड़ा स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से विराट कोहली ने शतकीय पारी खेली, जबकि कप्तान केएल राहुल ने 60 और रोहित शर्मा ने 57 रन बनाए। टीम इंडिया ने निर्धारित 50 ओवर में 349 रन का विशाल लक्ष्य दिया। विराट का वनडे क्रिकेट में यह 52वां शतक था। उन्होंने इस रिकॉर्ड में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। जवाब में साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। टीम ने सिर्फ 11 रन पर 3 विकेट खो दिए। हालांकि मैथ्यू ब्रीट्जकी और मार्को यानसन ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन दोनों एक ही ओवर में आउट होकर पवेलियन लौटे। अंत में कॉर्बिन बॉश की तेज़ फिफ्टी ने मैच को रोमांचक बनाया, लेकिन टीम 332 रन ही बना सकी।

भारत की ओर से कुलदीप यादव ने 4 विकेट, हर्षित राणा ने 3 विकेट, और अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट झटके। साउथ अफ्रीका से मार्को यानसन, नांद्रे बर्गर, कॉर्बिन बॉश और ओटनिल बार्टमैन ने 2-2 विकेट लिए। भारत की इस जीत के साथ सीरीज़ में 1-0 की बढ़त हो गई है। अगला मुकाबला अब टीम इंडिया के लिए सीरीज़ जीतने का अवसर होगा।

यूपी में ढहा तस्करी का साम्राज्य, पर रीवा रेंज में उठे तूफ़ानी सवाल; क्या आरोपी को बचा रहे हैं रेंज के अफ़सर?

यूपी में 'ऑपरेशन क्लीन', रीवा रेंज में 'ऑपरेशन साइलेंस' आख़िर माजरा क्या है?

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सीमापार नशा नेटवर्क पर उत्तर प्रदेश पुलिस की तेज़, योजनाबद्ध और लगातार कार्रवाई ने कई जिलों में कोरेक्स तस्करी की जड़ों को हिलाकर रख दिया है। यूपी की ओर से हुई यह कड़ी मुहिम अब पूरे क्षेत्र के लिए एक मिसाल के रूप में देखी जा रही है। वहीं दूसरी ओर, मध्यप्रदेश के रीवा रेंज में इसी मुद्दे पर उठ रहे सवालों की परतें गहराती जा रही हैं, मानो एक ही कहानी दो अलग दिशाओं में घूम रही हो। कानून व्यवस्था की तुलना में यह अंतर जनता के बीच चर्चा का बड़ा मुद्दा बना हुआ है। एक ओर यूपी पुलिस का दृढ़ रवैया दिखाई देता है, वहीं दूसरी तरफ रीवा रेंज में तस्करी मामलों पर कार्रवाई की प्रक्रियाएँ सवालों में घिरी हुई दिखाई पड़ती हैं। जनता पूछ रही है कि—एक ही देश, एक जैसा कानून, पर दो अलग-अलग परिणाम क्यों?

यूपी की कार्रवाई, बेहद तेज़, ठोस और सीधी: उत्तर प्रदेश पुलिस ने पिछले महीनों में कोरेक्स तस्करी नेटवर्क पर जिस प्रकार सघन दबिशें दीं, उसने न केवल कई बड़े नाम उजागर किए, बल्कि नेटवर्क की रीढ़ भी तोड़ दी। सूत्र बताते हैं कि विभिन्न जिलों में की गई संयुक्त कार्रवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण कड़ियाँ सामने आईं। इन्हीं कड़ियों के आधार पर भोला जायसवाल जैसे संदिग्ध को, कथित रूप से विदेश भागने से पहले ही रोका गया। यह गिरफ्तारी पूरे नेटवर्क को झकझोर देने वाली साबित हुई। रीवा रेंज में कोरेक्स तस्करी को लेकर कई मामलों में कार्रवाई विभागीय जांचों तक सीमित दिखी है। आधिकारिक तौर पर किसी बड़े पुलिसकर्मी के खिलाफ कठोर कार्रवाई सामने नहीं आई है। स्थानीय स्तर पर यह धारणा बन रही है कि कई मामलों की फाइलें आगे बढ़ने के बजाय सिर्फ चक्रों में घूम रही हैं। स्थानीय चर्चाएँ माहौल को और गंभीर बना रही हैं, इन सवालों के जवाब जनता को अब तक स्पष्ट रूप से नहीं मिले हैं।

इन सवालों का उत्तर न पुलिस ने दिया, न प्रशासन ने।

तस्कर के नाम अलग करने की चर्चा- बहस तेज़, पर प्रमाण नहीं।

स्थानीय स्तर पर एक और मुद्दा हवा में तैरता रहा- कि किसी मामले में कथित रूप से 'किसी आरोपी को न छेड़ने' जैसी सलाह की बात सामने आई।

लोगों की चिंता का कारण केवल आरोप नहीं है—बल्कि उन आरोपों पर स्पष्ट प्रतिक्रिया का न मिलना भी है।

एक बुज़ुर्ग नागरिक ने टिप्पणी करते हुए कहा— 'तालाब की सबसे बड़ी मछली अगर गंदगी फैलाए, तो तालाब पर कोई भरोसा नहीं करता।'

जनता की आवाज़ लगातार तेज़ हो रही है- कार्रवाई का पूरा रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाए।

कुछ स्थानीय संगठनों ने यहाँ तक कहा- 'यदि कार्रवाई ईमानदार रूप से नहीं हो रही, तो इसके लिए उच्च स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।'

जनता की माँग 'पारदर्शी, तेज़ और कठोर कार्रवाई हो'

चाय-नमकीन की बैठकों पर भी उठे सवाल,पर पुष्टि नहीं: स्थानीय चर्चाओं में यह बात भी ज़ोर पकड़ रही है कि कुछ अधिकारी—जिन पर कार्रवाई को लेकर संदेह की चर्चा की गई—आईजी कार्यालय में सामान्य बैठकों में देखे गए। यह मुलाक़ातें वास्तविक रूप से किन विषयों पर थीं, इसकी आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन इन बैठकों ने सार्वजनिक चर्चाओं को हवा दी है, और इससे प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्न और गहरे हुए हैं। हालाँकि इस दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है, फिर भी इस तरह की चर्चाओं ने पुलिस तंत्र पर जनता का भरोसा कमज़ोर किया है। यह टिप्पणी अब कई स्थानीय मंचों पर गूँज रही है।

कुछ गिरफ्तारियाँ होने के बावजूद स्थानीय लोग मानते हैं कि नेटवर्क पूरी तरह नहीं टूटा है। उनका कहना है कि यदि तस्करी का स्रोत और उसके संरक्षक तत्वों तक कार्रवाई न पहुँचे, तो छोटी गिरफ्तारियाँ सिर्फ सतही सुधार भर साबित होंगी।

रीवा, सतना, शहडोल और आसपास के जिलों में यह चर्चा आम है कि जब क्र जैसे बड़े राज्य में कड़ी कार्रवाई से तस्करी का असर दिख रहा है, तो रीवा रेंज में वही प्रभाव क्यों नहीं दिख रहा?

जांच की प्रगति पर नियमित रिपोर्ट जारी हो। संदेहों को दूर करने के लिए पारदर्शिता बढ़ाई जाए। और यदि बाधाएँ हैं, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से बताया जाए।

यूपी की इन कार्रवाइयों का संदेश स्पष्ट था..

'तस्करी की जड़ें कितनी भी मजबूत क्यों न हों, क़ानून का हाथ उनसे ज़्यादा मज़बूत है।'

रीवा रेंज ,कागज़ों में कार्रवाई, ज़मीन पर सुस्ती?

कई नागरिकों और सामाजिक समूहों का कहना है कि...

कार्रवाई की गति अपेक्षा से कहीं धीमी क्यों है?

क्या विभागीय जांचों का दायरा पर्याप्त है?

क्या तस्करी मामलों में शामिल गिरोहों की जड़ तक पहुँचना प्राथमिकता बना हुआ है?

जनता के मन में यह सवाल उठ रहे हैं—

क्या ये केवल औपचारिक मुलाक़ातें हैं?

या क्या कुछ मामलों पर राजनीतिक/प्रशासनिक दबाव कार्रवाई की दिशा प्रभावित कर रहा है?

क्या जांच तंत्र में ऐसी बाधाएँ हैं जिनका खुलासा अभी तक नहीं हुआ?

तस्कर पकड़े गए, पर नेटवर्क अभी भी सक्रिय?

गीता महोत्सव पर 2100 छात्राओं ने एक साथ किया पाठ, मुख्य वक्ता ने गीता को उपनिषदों का सार बताया; बोले- मनुष्य के जीवन से निराशा दूर करता

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मुख्यालय में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन शहीद केदारनाथ महाविद्यालय ग्राउंड में संपन्न हुआ। गीता जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिलेभर से आए 2100 विद्यार्थियों ने श्रीमद्भागवत गीता के अध्याय 15वें का सस्वर पाठ किया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों की ओर से पुष्प अर्पित कर की गई।

मुख्य वक्ता पंडित राजकुमार शर्मा ने गीता ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को जागृत करने का यह प्रयास अद्वितीय है। पंडित शर्मा ने बताया कि उज्जैन की ओर से पूरे मध्य प्रदेश में गीता जयंती महोत्सव आयोजित किया जा रहा है, जिसके तहत मऊगंज में यह कार्यक्रम संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन के सहयोग से संपन्न हुआ। उन्होंने श्रीमद्भागवत गीता को उपनिषदों का सार बताया। पंडित शर्मा के अनुसार, गीता का पाठ मनुष्य के जीवन से अवसाद, हताशा और निराशा को दूर कर उसे ओज, तेज और आत्मविश्वास प्रदान करता है।

मऊगंज कलेक्टर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की: कार्यक्रम की अध्यक्षता मऊगंज कलेक्टर संजय कुमार जैन ने की। उन्होंने गीता के श्लोक 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चों को कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देने के उद्देश्य से अध्याय 15वें का पाठ कराया गया। कलेक्टर जैन ने सुझाव दिया कि यदि बच्चे प्रतिदिन गीता के किसी श्लोक का अभ्यास करें, तो यह उनके व्यक्तित्व और जीवन दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि 5153वीं गीता जयंती के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम जनसहभागिता और सांस्कृतिक जागरूकता का एक उदाहरण है।

वार्डन पर 6.67 लाख के गबन का आरोप, कलेक्टर ने निलंबन प्रक्रिया शुरू की; शोकाज नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। एक छात्रावास में 6.67 लाख रुपए के गबन के मामले में वार्डन शकुंतला देवी निरत के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई शुरू हो गई है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने सोमवार को वित्तीय अनियमितता और हाईकोर्ट में गलत तथ्यों के साथ शपथ पत्र प्रस्तुत करने पर वार्डन को शोकॉज नोटिस जारी किया है। शकुंतला निरत को कुछ समय के लिए दुबगवां छात्रावास का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था, जिसे बाद में वापस ले लिया गया। इस निर्णय के खिलाफ वे हाईकोर्ट गईं और स्थगन आदेश लेकर दोबारा प्रभार ले लिया था। कलेक्टर द्वारा 14 नवंबर को की गई सुनवाई में पाया गया कि वार्डन ने कोर्ट में गलत तथ्यों के आधार पर शपथ पत्र दिया था।

जांच में सामने आया कि 4 सितंबर 2025 को वार्डन ने 6 लाख 67 हजार 699 रुपए का अनुचित आहरण किया। यह आहरण तब किया गया जब उन्हें 29 अगस्त 2025 के आदेश के तहत प्रभार से मुक्त कर दिया गया था। इस गंभीर वित्तीय अनियमितता के बाद शोकॉज नोटिस जारी कर

निलंबन की प्रक्रिया शुरू की गई है।

रिश्वत का मामला भी आया सामने: इसी प्रकरण के समानांतर, कलेक्टर के एक सहायक कर्मचारी पर 1.12 लाख रुपए रिश्वत लेने का आरोप भी सामने आया है। आरोप है कि उन्होंने दुबगवां कुर्मियान बालिका छात्रावास का प्रभार वापस दिलाने के नाम पर यह राशि ली थी। पीड़िता ने इस मामले की शिकायत रीवा संभाग के कमिश्नर से की है। बताया जा रहा है कि कथित तौर पर महिला को एक लाख रुपए वापस भी कर दिए गए थे। हालांकि, रिश्वत के आरोपों की सत्यता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। कलेक्टर मऊगंज ने इस मामले में भी स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है। कलेक्टर जैन ने सोमवार को प्रेस वार्ता में बताया कि पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच एडीएम को सौंपी गई है।

लंबित शिकायतों से 50 प्रतिशत का सात दिन में निराकरण करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि सीएम हेल्पलाइन में बड़ी संख्या में शिकायतें लंबित हैं। सभी अधिकारी लंबित शिकायतों का कम से कम 50 प्रतिशत सात दिवस में निराकृत करें। जिन विभागों में 50 से अधिक शिकायतें लंबित हैं उनके खण्ड स्तरीय अधिकारी भी अगली टीएल बैठक में लंबित पत्रों के प्रतिवेदन के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। यदि कोई शिकायत बिना किसी कार्यवाही के लेबल-1 से आगे जाएगी तो अधिकारी पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का भी निराकरण करें। स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पीएचई, राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि कलेक्टर्स कान्फ्रेंस के सभी अधिकारी तत्परता से कार्यवाही करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। इनके संबंध में विभाग प्रमुख के निर्देशों का तत्परता से पालन करें। उप संचालक कृषि जैविक हाट बाजार तत्काल शुरू कराएं। जिला प्रबंधक विपणन संघ खाद की आपूर्ति के लिए नई व्यवस्था के अनुसार वितरण सुनिश्चित करें। सभी खरीदी केन्द्रों में केवल टोकन के आधार पर ही खाद वितरित कराएं। बिना टोकन खाद देने पर कार्यवाही की जाएगी। खाद वितरण के लिए तैनात नोडल अधिकारी वितरण केन्द्रों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। खाद वितरण में किसी भी तरह की कठिनाई आने पर तत्काल अवगत कराएं। महाप्रबंधक उद्योग उद्यम क्रांति योजना का शत-प्रतिशत लक्ष्य दिसम्बर माह में पूरा कराएं।

एचआईवी एड्स जागरूकता रैली को दिखाई गई हरी

'ब्यवधान पर काबू पाना' थीम पर निकाली गई जागरूकता रैली, सप्ताह भर चलेगा अभियान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एचआईवी/एड्स के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय से विशाल रैली का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व एड्स दिवस 'ब्यवधान पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया में बदलाव लाना' की थीम पर मनाया जा रहा है। जागरूकता रैली को जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.बी. चौधरी, सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा, जिला नोडल अधिकारी एड्स डॉ. अनुराग शर्मा, डॉ. पिंकी सिंह, डॉ. ईशान गोयल, डॉ. आलोक दुबे, रवीन्द्रनाथ मिश्रा प्रबंधक तथा दिशा/क्लस्टर रीवा से ज्ञानेन्द्र गुप्ता, संजय श्रीवास्तव और अभिलाष शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला चिकित्सालय परिसर से प्रारंभ हुई यह रैली बिछिया, एस.ए.एफ. चौराहा, गुढ़ चौराहा, धोबिया टंकी, प्रकाश चौराहा होते हुए रानी तालाब स्थित काली माता मंदिर के पास संपन्न हुई। रैली में टी.डी. नर्सिंग कॉलेज, लॉर्ड बुद्धा नर्सिंग कॉलेज, विंध्यांचल नर्सिंग कॉलेज और सौदामिनी नर्सिंग कॉलेज की चार सौ से अधिक छात्राओं और अध्यापकों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दी। इस दौरान एचआईवी संक्रमण के कारणों और बचाव के संबंध में जानकारी प्रदान करने के साथ ही, एड्स के साथ जीवन जी रहे लोगों के प्रति सामाजिक भेदभाव और भ्रांतियों को दूर करने पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि एड्स एक गंभीर बीमारी है और इससे बचाव का सबसे बेहतर तरीका जागरूकता है। उन्होंने यह जानकारी दी कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा द्वारा सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में एचआईवी टेस्टिंग और उपचार का पूरा खर्च नि:शुल्क उठाया जाता है। उन्होंने इस बीमारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए इसके चार प्रमुख कारणों को जानने और उनसे बचने की आवश्यकता पर बल दिया।

हनुमना मे फेरीवाले की बाइक चोरी, घर के सामने खड़ी की थी; दिन में ही ले उड़े चोर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। हनुमना थाना क्षेत्र के भाठी गांव में एक फेरी व्यवसाय करने वाले व्यक्ति की बाइक चोरी हो गई है। सतीश सिंह नामक पीड़ित की हीरो स्प्लेंडर बाइक उनके किराए के मकान के बाहर से चोरी हुई। इस संबंध में हनुमना थाने में 1 दिसंबर को दोपहर लगभग 3 बजे अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित सतीश सिंह ने बताया कि वह भाठी गांव में किराए के मकान में रहकर व्यापार करते हैं। उन्होंने रोज की तरह अपनी हीरो स्प्लेंडर बाइक को अन्य दो बाइकों के साथ मकान की बाउंड्री के अंदर खड़ा किया था। बाद में देखा तो स्प्लेंडर बाइक गायब थी, जबकि अन्य दोनों बाइक वहीं मौजूद थीं।

आस-पड़ोस में तलाश करने पर जब कोई सुराग नहीं मिला, तो सतीश सिंह ने हनुमना थाने पहुंचकर घटना की जानकारी पुलिस को दी। थाना प्रभारी अनिल काकडे ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही, गांव के अंदर-बाहर आने-जाने वाले संदिग्धों की गतिविधियों की भी जांच की जाएगी ताकि चोरों का पता लगाया जा सके।

हर्षोल्लास से मनाई गई गीता जयंती, गीता का 15वां अध्याय ज्ञान का सार और गीता का हृदय है : कुलगुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गीता जयंती रीवा में हर्षोल्लास से मनाई गई। एनसीसी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बटुकों तथा संस्कृत के आचार्यों ने गीता के 15वें अध्याय पुरूषोत्तम योग का सस्वर पाठ किया। पूरा वातावरण गीता के पवित्र श्लोकों की सुगंध से भर गया। विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के हजारों विद्यार्थी गीता पाठ में शामिल हुए। समारोह की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा गीता पूजन करके समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर राजेन्द्र कुमार कुड़रिया ने कहा कि गीता का 15वां अध्याय ज्ञान का सार और गीता का हृदय है। इसमें परमात्मा, जीवात्मा और विश्व के संबंध में वास्तविक सत्य बताया गया है।

हम सबको अपने जीवन को सही दिशा देने के लिए गीता का अध्ययन और मनन करना चाहिए। इसका हर अध्याय हमारे जीवन को सही दिशा देने वाला प्रकाश है। गीता में ज्ञान, विज्ञान, धर्म, कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग सहित समस्त वेदों का सार है। इसमें जीवन और जगत की हर कठिनाई को हल करने का मंत्र है। समारोह में विश्व गीता प्रतिष्ठान के केन्द्रीय उपाध्यक्ष जेएल त्रिपाठी ने कहा कि गीता में 15वें अध्याय में संसार, जीवात्मा और परमात्मा सहित तीनों तत्वों का वर्णन है। यह अध्याय गीता का प्राण है। भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है कि जीव का कल्याण परमात्मा की भक्ति में निहित है। इस अध्याय में पूरे विश्व की कल्पना पीपल के वृक्ष के रूप में की गई है। इस वृक्ष की जड़ें आकाश की ओर हैं। इसकी प्रथम शाखा ब्रम्हा जी के रूप में है जिससे समस्त सृष्टि का सृजन हुआ है। इस वृक्ष के पत्ते वैदिक मंत्र हैं जो सदैव अविनाशी रहकर मानव का मार्गदर्शन करते हैं। जो इस संसार रूपी वृक्ष के गुण जान लेता है वही वेदों का सच्चा जानकार है।

समारोह में प्रचारक हरिनारायण जी ने कहा कि गीता का ज्ञान धर्म की स्थापना के लिए है। सबसे बड़ा धर्म दीन दुखी की

सेवा करना है। परोपकार और परमात्मा की ओर उन्मुख होकर ही हम अपना जीवन सफल बना सकते हैं। समारोह में संस्कृत आचार्य राजेन्द्र मिश्रा ने कहा कि गीता विश्व कल्याण की पथ प्रदर्शिका है। भगवान कृष्ण के मुखारबिन्द से यह अखिल जगत के कल्याण के लिए प्रगट हुई है। समारोह स्थल में गीता ज्ञान तथा भगवान श्री कृष्ण के जीवन से जुड़ी हुई प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। समारोह में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, कलेक्टर प्रतिभा पाल, एडीएम सपना त्रिपाठी, जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, विष्णु प्रपन्नाचार्य, जिलाध्यक्ष विश्व गीता प्रतिष्ठान सत्यनारायण दुबे, भारतेन्दु, रमाशंकर शुक्ल, अध्यक्ष जिला रेडक्रास समिति, डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी, राजीव शुक्ला अध्यक्ष विप्र सेवा संघ, बड़ी संख्या में संस्कृत आचार्य तथा विद्यार्थी शामिल हुए।

एमसीयू रीवा परिसर में गीता जयंती संगोष्ठी आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय रीवा परिसर में गीता जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राध्यापक डॉ. नवीन तिवारी द्वारा गीता के पंद्रहवें अध्याय के श्लोक-पाठ से हुई। उन्होंने अध्याय का अर्थ सहित वाचन करते हुए गीता के 'पुरुषोत्तम योग' की गहन व्याख्या प्रस्तुत की। तत्पश्चात जनसंचार स्नातक प्रथम वर्ष की छात्रा ऐश्वर्या श्रीवास्तव ने गीता के महत्व पर एक भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एडजंक्ट प्रोफेसर जयराम शुक्ल ने अपने वक्तव्य में कहा कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। यह मनुष्य को उसके आंतरिक द्वंद्व क्या उचित है और क्या अनुचित का सामना कराने का साहस देती है। गीता को भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं जिया है और प्रत्येक श्लोक जीवन के मूल प्रश्नों का उत्तर देता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को गीता अवश्य पढ़नी चाहिए क्योंकि यह परिस्थितियों के अनुकूल निर्णय लेने, कर्तव्य की भावना तथा समत्व-बुद्धि सिखाती है। उन्होंने कहा कि 'गीता, गंगा और गौ ये तीनों भारतीय जीवन-दर्शन के प्रमुख स्तंभ माने गए हैं। गीता आध्यात्मिक चेतना का, गंगा प्राकृतिक चेतना का और गौ सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इन तीनों में भारतीय संस्कृति का संपूर्ण जीवन-दर्शन निहित है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिसर निदेशक सतेंद्र डहेरिया ने कहा कि आज की पीढ़ी जिस मानसिक दबाव और उलझनों का सामना कर रही है, उनके समाधान का मार्ग गीता स्पष्ट रूप से दिखाती है। उन्होंने कहा कि 'गीता मनुष्य को कर्मयोग का संदेश देती है और विभिन्न परिस्थितियों में स्थिर मन बनाए रखने की शक्ति प्रदान करती है। इस अवसर पर विश्विद्यालय परिसर के प्राध्यापक अखंड प्रताप सिंह, सुनील सिंह, वंदना तिवारी, दिव्यशंकर पाण्डेय, सौरभ मिश्रा अपर्णा गोस्वामी, रूपेश नागेंद्र सहित परिसर के विद्यार्थी अविनाश, सुयश तिवारी, स्वचिता ओझा, प्रियांशु सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।